राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 14
अंक : 246
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
गुरुवार 31 जुलाई 2025
मूल्य :2 /-
RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट
पेज 3 किसानों का धरना खत्म : प्राधिकरण के अधिकारियों से वार्ता के
पेज 4 जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने किया जिला जेल का
पेज 6 रविंद्र जडेजा विश्व के नंबर एक टेस्ट ऑलराउंडर

संक्षिप्त खबरें

लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह होंगे अगले उप सेना प्रमुख

नई दिल्ली। लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह एक अगस्त को अगले उप सेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालेंगे। वह लेफ्टिनेंट जनरल एन एस राजा सुब्रमणि का स्थान लेंगे। इसके अलावा नौसेना उप प्रमुख वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन पश्चिमी नौसैन्य कमान के अगले फ्लैग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ होंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अगले नौसेना उप प्रमुख बनने वाले वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन एक अगस्त को कार्यभार संभालेंगे। लेफ्टिनेंट जनरल सिंह एक अगस्त को अगले उप सेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालेंगे। लेफ्टिनेंट जनरल सिंह भारतीय सैन्य अकादमी के पूर्व छात्र हैं।

मध्य प्रदेश में ट्रक ने कांवड़ यात्रियों को कुचला, एक की मौत; छह घायल

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में बुधवार रात एक तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से 25 वर्षीय एक कांवड़ यात्री की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) उमाकांत चौधरी ने बताया कि यह घटना इंदौर जिला मुख्यालय से लगभग 30 किलोमीटर दूर कटी घाटी इलाके में हुई। उन्होंने कहा कि चालक के नियंत्रण खो देने के बाद ट्रक ने उज्जैन जा रहे कांवड़ यात्रियों को कुचल दिया। आदर्श राठौर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह अन्य कांवड़ यात्रियों को इंदौर के शासकीय महाराजा यशवंतराव अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पंजाब में जिंदा जले कार सवार दो लोग

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर में आज (30 जुलाई) दोपहर पेट्रोल से भरे टैंकर का टायर फट गया, जिससे वह बेकाबू होकर एक ब्रेजा कार से टकरा गया। टक्कर इतनी तेज थी कि कार में आग लग गई और उसमें सवार एक युवती और युवक जिंदा जल गए। दोनों की वहीं मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर के बाद कार रेलिंग से टकराई और उसमें भीषण आग लग गई। जब तक लोग कुछ समझ पाते, कार धू-धू कर जलने लगी। हादसे के बाद पेट्रोल टैंकर का ड्राइवर मौके से फरार हो गया। वहीं फायर ब्रिगेड करीब आधे घंटे बाद मौके पर पहुंची। इसके बाद सेना की टीम ने आकर कार को काटा और दोनों शव बाहर निकाले। हादसे में मारे गए दोनों लोगों की अब तक पहचान नहीं हो पाई है। लेकिन कार पर दिल्ली का नंबर है और रजिस्ट्रेशन किसी ढींगरा नाम के व्यक्ति के नाम पर है।

महिला एथलीट्स को जेंडर टेस्ट कराना होगा

वरना वर्ल्ड चैंपियनशिप में नहीं खेल सकेंगी; वर्ल्ड एथलेटिक्स ने एसआरवाई जीन टेस्ट लॉन्च किया

मोनाको। महिला एथलीट्स को अब जीवन में एक बार जेंडर टेस्ट कराना जरूरी हो गया है। इसके लिए बुधवार को वर्ल्ड एथलेटिक्स काउंसिल ने एसआरवाई जीन टेस्ट लागू किया है। जो खिलाड़ी इस टेस्ट से नहीं गुजरेगी, वह वर्ल्ड रैंकिंग प्रतियोगिताओं में भाग नहीं ले सकेगी। यह कानून बीते सालों में जेंडर चेंज कराके महिला बनकर कॉम्पिटिशन में उतरने वाली खिलाड़ियों को रोकने के लिए बनाया

गया है। ये नियम 1 सितंबर 2025 से लागू होगा। 13 सितंबर से टोक्यो में होने जा रही वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिला एथलीट्स इस टेस्ट को पास किए बिना भाग नहीं ले सकेंगी।

वर्ल्ड एथलेटिक्स के अनुसार, यह टेस्ट लाइफ में एक बार ही कराना होगा। गाल से स्वैब या ब्लड सैंपल के जरिए टेस्ट होगा, जिससे खिलाड़ी के जेंडर की पहचान होगी।

वर्ल्ड एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबास्टियन कोए ने कहा-

महिला खेलों की गरिमा और निष्पक्षता की रक्षा करना हमारा लक्ष्य है। हमारा मानना है कि अगर कोई महिला खेलों में आए, तो उसे यह विश्वास होना चाहिए कि वहां जैविक (बायोलॉजिकल) बाधा नहीं है। बायोलॉजिकल जेंडर की पुष्टि करना एक महत्वपूर्ण कदम है। हम स्पष्ट रूप से कह रहे हैं कि विमेंस कैटेगरी में कम्पीट करने के लिए आपको बायोलॉजिकल तौर पर महिला होना चाहिए। यह हमेशा से क्लियर था कि बायोलॉजिकल जेंडर से ऊपर लिंग पहचान नहीं हो सकती।

ट्रम्प ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया

कहा- भारत रूस से हथियार-तेल खरीद रहा, इसलिए जुर्माना भी वसूलेंगे; 1 अगस्त से लागू

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को भारत पर 1 अगस्त से 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि भारत, रूस से हथियार और ऑयल खरीद रहा है, इसलिए उस पर जुर्माना भी लगाएंगे। ट्रम्प ने एक और पोस्ट में कहा कि अमेरिका के साथ भारत का व्यापार घाटा बहुत ज्यादा है, इसलिए वे भारतीय सामानों पर टैरिफ लगा रहे हैं।

ट्रम्प की पोस्ट और उसका हिंदी अनुवाद

भारत, अमेरिका का दोस्त है, लेकिन पिछले कुछ सालों में अमेरिका ने उसके साथ कम व्यापार किया है क्योंकि उसके टैरिफ बहुत ज्यादा हैं। ? दरअसल, भारत की कई नीतियां ऐसी हैं जो अमेरिकी कंपनियों को व्यापार करने में मुश्किलें पैदा करती हैं। भारत आज भी अपने ज्यादातर हथियार रूस से खरीदता है। इतना ही नहीं, चीन के साथ मिलकर भारत, रूस से बड़ी मात्रा में तेल और गैस भी खरीदता है, जबकि पूरी दुनिया चाहती है कि रूस यूक्रेन में हिंसा रोके। इन सब वजहों से अब अमेरिका ने फैसला किया है कि भारत से आने वाले सामानों पर 1 अगस्त से 25 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा। इसके अलावा पेनल्टी भी लगाई जाएगी। दोनों देशों के बीच सबकुछ सही नहीं है।

राष्ट्रपति ट्रम्प के फैसलों पर भारत सरकार ने कहा है कि इस फैसले के असर को समझ रही है और देश के हितों को बचाने के लिए हर जरूरी कदम उठाएगी। वाणिज्य मंत्रालय ने बुधवार शाम को अपने बयान में कहा- हमने अमेरिकी राष्ट्रपति के व्यापार वाले बयान को देखा है। हम इसके असर का अध्ययन कर रहे हैं। भारत और अमेरिका एक अच्छे और दोनों के लिए फायदेमंद व्यापार समझौते पर काम कर रहे हैं। हम इस मकसद को पूरा करने के लिए तैयार हैं।

मोदी राज्यसभा नहीं पहुंचे, खड़गे बोले- ये सदन का अपमान

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में करीब डेढ़ घंटे भाषण दिया। उन्होंने शाम 7 बजे सदन में बोलना शुरू किया। विपक्ष ने हंगामा करते हुए पीएममोदी को बुलाने की मांग की।

इस पर शाह ने कहा- विपक्ष पूछ रहा है कि पीएम कहा हैं? पीएम इस वक्त ऑफिस में हैं, उन्हें ज्यादा सुनने का शौक नहीं है। मेरे से निपट रहा है, उन्हें क्यों बुला रहे हो। इस पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- प्रधानमंत्री के दिल्ली में रहते हुए भी वो यहां नहीं आ रहे, ये तो सदन का अपमान है। सदन-सदस्यों का अपमान करना ठीक नहीं है। इसके बाद विपक्ष ने राज्यसभा से वॉकआउट कर दिया। शाह ने रात 8: 25 बजे तक भाषण दिया। इस दौरान उन्होंने कहा- पाकिस्तानी आतंकियों ने जो नुकसान किया, उसके जवाब में भारत सरकार और सेना ने जो मजबूत जवाब ऑपरेशन सिंदूर से दिया। ऑपरेशन महादेव में तीन आतंकी मारे गए।

शाह के भाषण के बाद राज्यसभा की कार्यवाही गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इसी के साथ राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर दो दिन की बहस भी खत्म हो गई।

विरोध प्रदर्शन

कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा, समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद राम गोपाल यादव और अन्य सांसद नई दिल्ली में संसद के मानसून सत्र के दौरान बिहार में मतदाता सूची के चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए।

कैश कांड-सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस वर्मा को फटकार

कहा-आपके व्यवहार से भरोसा नहीं होता, जांच कमेटी की प्रक्रिया पर ऐतराज था तो तभी क्यों नहीं आए

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका पर सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा के आचरण पर सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने कहा कि उनका व्यवहार भरोसे के लायक नहीं है और पूछा कि अगर उन्हें जांच समिति की प्रक्रिया पर ऐतराज था

तो उन्होंने उसी वक्त उसे चुनौती क्यों नहीं दी। बेंच में शामिल जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ए.जी. मसीह ने कहा कि जस्टिस वर्मा को पहले ही सुप्रीम कोर्ट आना चाहिए था, न कि अब जब जांच समिति ने उन्हें दोषी पाया है। सुनवाई के दौरान जस्टिस वर्मा की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने दलील दी कि महाभियोग संसद की प्रक्रिया है। मुख्य न्यायाधीश द्वारा महाभियोग की सिफारिश किया जाना गलत है।

दरअसल, जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका में इन-हाउस कमेटी की रिपोर्ट और महाभियोग की सिफारिश रद्द करने की अपील की गई है। रिपोर्ट में घर में कैश मिलने के मामले में जस्टिस वर्मा को दोषी ठहराया गया है।

हैप्पी मॉर्निंग

देवर- भाभी आप इतनी अच्छी चटनी कैसे बना लेती हो?
भाभी- सच बताऊं
देवर- हां भाभी- चटनी बनाते वक्त आपके भाई का ध्यान कर लेती हूं,
कूटने में आसानी होती है
भाभी की बात सुनकर
देवर
बेहोश....

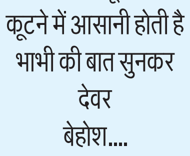

शायरी

जो तुम्हारी तरह तुम से कोई
झूटे वादे करता
तुम्हीं मुंसिफ़ी से कह दो तुम्हें
एतिबार होता

सेना का ऑपरेशन शिवशक्ति, पुंछ में 2 आतंकी ढेर

तीन हथियार और गोला-बारूद भी बरामद; एलओसी के पास घुसपैठ कर रहे थे

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में लाइन ऑफ कंट्रोल के पास घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो आतंकियों को सेना ने मार गिराया। अधिकारियों के मुताबिक, बॉर्डर पर तैनात जवानों ने मंगलवार देर रात देगवार सेक्टर के मालदीवलन इलाके में संदिग्ध गतिविधि देखी। जिसके बाद एनकाउंटर शुरू हुआ। इस ऑपरेशन को शिवशक्ति नाम दिया गया। आतंकियों के पास से 3 हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। पिछले तीन दिनों में सेना का यह दूसरा एनकाउंटर है। 28 जुलाई को श्रीनगर के दाचीगाम नेशनल पार्क के पास हरवान इलाके में सुरक्षाबलों ने तीन

पाकिस्तानी आतंकवादियों को ढेर किया था। गृह मंत्री अमित शाह ने 29 जुलाई को लोकसभा में बताया था कि मारे गए आतंकियों में से एक पहलगाम हमले का मुख्य आरोपी सुलेमान भी था। बाकी दो आतंकियों की पहचान जिबरान और हमजा अफगानी के रूप में हुई है। जिबरान 2024 के सोनमर्ग सुरंग प्रोजेक्ट पर हुए हमले में शामिल था। आतंकियों के पास से अमेरिकी एम 4 कार्बाइन, एके-47, 17 राइफल और ग्रेनेड मिले थे। इसे ऑपरेशन महादेव नाम दिया गया था। एक हफ्ते पहले आतंकियों के छिपे होने का सुराग मिला था एक हफ्ते पहले सुरक्षाबलों को श्रीनगर के दाचीगाम जंगल में आतंकियों के छिपे होने की खुफिया जानकारी मिली थी। इन आतंकियों ने हमले के बाद पहली बार एक चाइनीज अल्ट्रा कम्युनिकेशन सेट को फिर से एक्टिवेट किया था। उसी सैटेलाइट फोन के सिग्नल ट्रेस हुए। इसके बाद सुरक्षाबलों ने आतंकियों का पता लगाने के लिए बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया। 28 जुलाई की सुबह लगभग 11: 30 बजे 24 राष्ट्रीय राइफल्स और 4 पैरा यूनिट के जवानों की एक टुकड़ी ने एडवांस गैजेट्स का इस्तेमाल करके आतंकियों की लोकेशन का पता लगाया और वहां मौजूद तीनों आतंकियों को मार गिराया।

इसरो-नासा का सबसे महंगा और ताकतवर सैटेलाइट 'निसार' लॉन्च

घने जंगल और अंधेरे में देखने की क्षमता; 97 मिनट में धरती का चक्कर पूरा करेगा

श्रीहरिकोटा। अब तक के सबसे महंगे और सबसे पावरफुल अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट निसार को आज यानी, बुधवार 30 जुलाई को लॉन्च किया गया। इस मिशन पर 1.5 बिलियन डॉलर यानी करीब 12,500 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। इसे ईसरो और नासा ने मिलकर बनाया है।

इसे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से शाम 5: 40 बजे GSLV-F16 रॉकेट के जरिए लॉन्च किया गया। रॉकेट ने निसार को 747 किलोमीटर की ऊंचाई पर सूरज के

साथ तालमेल वाली सन-सिंक्रोनस कक्षा में स्थापित किया। इसमें करीब 18 मिनट लगे। निसार 747 किमी की ऊंचाई पर पोलर ऑर्बिट में चक्कर लगाएगा। पोलर ऑर्बिट एक ऐसी कक्षा है जिसमें सैटेलाइट धरती के ध्रुवों के ऊपर से गुजरता है।

सन-सिंक्रोनस ऑर्बिट पोलर ऑर्बिट का ही एक खास रूप है। यह पहली बार है जब जीएसएलवी रॉकेट से उपग्रह को इस ऑर्बिट में स्थापित किया गया। इस मिशन की अवधि 5 साल है।

अर्थसार

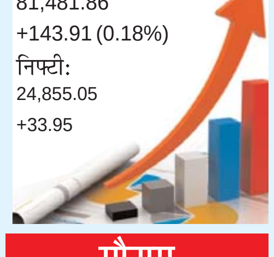

संसेक्स:
81,481.86
+143.91 (0.18%)
निफ्टी:
24,855.05
+33.95

मौसम

अधिकतम	:	29 डिग्री से0
न्यूनतम	:	26 डिग्री से0
सूर्योदय शुक्रवार	:	5 : 44
सूर्यास्त गुरुवार	:	7 : 14

राहुल गांधी बेंगलुरु में 'वोट चोरी' के विरोध में करेंगे प्रदर्शन

बेंगलुरु। कांग्रेस नेता राहुल गांधी वोट चोरी के विरोध में पांच अगस्त को बेंगलुरु में आयोजित होने वाले प्रदर्शन में हिस्सा लेंगे और यहां निर्वाचन आयोग के अधिकारियों को एक ज्ञापन सौंपेंगे। यह जानकारी उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को दी।

भारत में वोटों की चोरी हो रही है- राहुल गांधी

राहुल गांधी ने हाल ही में दावा किया था कि उनकी पार्टी ने कर्नाटक के एक लोकसभा क्षेत्र का अध्ययन करके यह पता लगाया है कि किस प्रकार वोट चोरी की जाती है। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर जारी विवाद के बीच राहुल ने 23 जुलाई को आरोप लगाया था कि भारत में वोटों की चोरी हो रही है और दावा किया था कि उनकी पार्टी ने पता लगा लिया है कि ये कैसे किया जा रहा है। वहीं, राहुल गांधी के आरोप को भाजपा ने हास्यास्पद बताते हुए कहा कि अगर इसमें दम होता तो कर्नाटक में कांग्रेस विपक्ष में बैठी होती। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि इस मुद्दे पर राहुल गांधी को गुमराह किया गया है।

कैश फॉर जॉब

सुप्रीम कोर्ट बोला- सुनवाई के लिए क्रिकेट स्टेडियम की जरूरत, राज्य सरकार को लगाई फटकार

तमिलनाडु के कैश फॉर जॉब केस में 2000 आरोपी-500 गवाह

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी से जुड़े कथित कैश फॉर जॉब के मामले में सुनवाई की। कोर्ट ने मामले में 2000 से ज्यादा आरोपी बनाने पर राज्य सरकार को फटकार लगाई है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉय माल्या बागची की बेंच ने कहा- इस केस की सुनवाई की तो यह देश का सबसे भीड़-भाड़ वाला ट्रायल होगा। कोर्ट रूम की जगह छोटी पड़ जाएगी, ट्रायल के लिए क्रिकेट स्टेडियम की जरूरत पड़ेगी।

कोर्ट ने कहा कि यदि न्यायपालिका मामले में हस्तक्षेप नहीं करती तो राज्य सरकार अब तक केस को बंद कर देती। कोर्ट ने घोटाले में 2000 से ज्यादा आरोपी बनाने पर आपत्ति जताई है और सभी आरोपियों व 500 गवाहों की जानकारी मांगी है।

सिंघवी ने स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर की मांग की

स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर नियुक्ति करने की मांग पर कोर्ट ने स्टेट की तरफ से पेश सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी को जवाब दिया। कोर्ट ने कहा कि जब कोई ताकतवर मंत्री और प्रभावशाली व्यक्ति आरोपी होता है, तो एक पब्लिक प्रॉसिक्यूटर नहीं रखा जा सकता है। इससे न्यायिक प्रक्रिया पर लोगों का विश्वास डगमगा सकता है।

कोर्ट बोला इतने आरोपी केस में देरी करने के लिए बनाए पीड़ितों की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट गोपाल शंकरनारायणन ने आरोपियों के मामलों को एक साथ क्लब करने के फैसले का विरोध किया।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को भी इस मामले में तमिलनाडु सरकार की आलोचना करते हुए कहा था कि 2000 से ज्यादा आरोपी बनाकर जबरन केस में देरी की जा रही है।

27 अप्रैल को दिया था मंत्री पद से इस्तीफा

23 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अभय एस ओका और ओगस्तीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने DMK नेता और राज्य सरकार के मंत्री वी सेंथिल बालाजी से मंत्री पद या आजादी में से किसी एक चीज को चुन लेने के लिए कहा था। इसके बाद 27 अप्रैल को बालाजी ने मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के मंत्रिमंडल से इस्तीफा दिया था।

संपादकीय

25 प्रतिशत टैरिफ और 100 प्रतिशत चुप्पी — मोदी ब्रांड की अंतरराष्ट्रीय हवा अब निकल चुकी है

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

जब 'डियर फ्रेंड' ही वार कर दे

जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ 'अबकी बार ट्रंप सरकार' का नारा मंच से लगाते हैं —
जब 'हाउडी मोदी' और 'नमस्ते ट्रंप' जैसे शो पर जनता का पैसा बहाया जाता है तो देश को उम्मीद होती है कि यह सब भारत के हित में होगा।
पर वास्तविकता?
अमेरिका ने भारत से आने वाली सभी वस्तुओं पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है —
और मोदी सरकार चुप है। पूरी तरह चुप।

यह सिर्फ़ टैरिफ नहीं — यह सीधा आर्थिक हमला है

- स्टील, टैक्सटाइल, फार्मा, ऑटो पार्ट्स, कृषि उत्पाद — सब महंगे हो जाएंगे
- भारत का निर्यात गिरेगा, MSME और एक्सपोर्टर बर्बादी के कगार पर पहुंचेंगे
- करोड़ों नौकरियाँ खतरे में हैं — लेकिन सरकार के मुंह पर ताला है

'मोदी ब्रांड' बनाम हकीकत

- कैमरों के सामने हँसना आसान है, लेकिन जवाब देना कठिन
- मीडिया को मैनेज कर सकते हैं, पर वैश्विक नीतियों को नहीं
- अमेरिका की आर्थिक मार पर चुप्पी — क्या यही है 'विश्वगुरु'?

'मोदी है तो मुमकिन है' अब संभावनाओं का नहीं, संकटों का प्रतीक बन गया है।

यह कूटनीति नहीं, आत्मसमर्पण है

- क्या यह टैरिफ रूस से तेल खरीदने की सज़ा है?
- क्या भारत WTO गया? — नहीं
- क्या जवाबी टैरिफ लगे? — नहीं
- क्या प्रधानमंत्री ने देश को कुछ बताया? — नहीं

तो फिर जनता पूछेगी नहीं?

'शक्ति' की राजनीति या 'साफ़्ट पावर' की हार?
भाजपा की विदेश नीति का आधार 'मोदी ब्रांड' था —
पर अब जब अमेरिका जैसा 'मित्र राष्ट्र' आर्थिक आक्रमण करता है और भारत चुप रहता है, तो सवाल उठता है — क्या यह 'वसुधैव कुटुम्बकम्' है या 'डर का चुप राष्ट्रवाद'?

निष्कर्ष

भारत की अर्थव्यवस्था पर 25 प्रतिशत का अमेरिकी टैरिफ सिर्फ़ एक कर नहीं —
एक तमाचा है उस दावे पर जो कहता था 'मोदी है तो सब मुमकिन है।'
अब यह नारा नहीं — एक कटाक्ष है।
अगर सरकार अब भी चुप रही,
तो यह चुप्पी सिर्फ़ 'मोदी ब्रांड' की नहीं,
बल्कि देश के स्वाभिमान और आत्मसम्मान की क़ीमत पर आएगी।

जनता पूछ रही है

'जब दुनिया का सबसे ताकतवर देश भारत को झुका रहा है —
तब हमारा '56 इंच' कहाँ है?'

थकी-तनावग्रस्त पीढ़ी

अपने हालिया अध्ययन में यूरोपीय आयोग ने चिंता जतायी है कि सोशल मीडिया पर अतिसक्रियता से युवा पीढ़ी तनाव व थकान से जूझ रही है। इस संकट को लेकर भारतीय समाजविज्ञानी, चिकित्सक व मीडिया भी लंबे समय से चेतावनी देता रहा है। लेकिन जब कोई मुहिम व अध्ययन पश्चिमी जगत से आता है तो हम उसे विशेष महत्व देने लगते हैं। अब जब यूरोपीय आयोग जेनरेशन जेड को लेकर अपने निष्कर्ष सामने ला रहा है तो भारत में नये सिरे से उसकी चर्चा होने लगी है। विडंबना यह है कि पिछली सदी के अंतिम वर्षों से लेकर इस सदी के पहले दशक में पैदा हुए बच्चों की यह पहली पीढ़ी है, जिसे कम उम्र में ही सोशल मीडिया के विभिन्न मंचों से रूबरू होने का मौका मिल गया था। यह पीढ़ी पारंपरिक मानकों को चुनौती देकर अपना नया आकाश तलाशने की जद्दोजहद में जुटी रही है। इस पीढ़ी ने परंपरागत जीवन मूल्यों को तिलांजलि देकर अपनी महत्वाकांक्षाओं को अंजाम दिया। साथ ही नये नजरिये की जीवनशैली का अंगीकार किया। यह पीढ़ी डिजिटल युग के साथ कदमताल करती नजर आई। इंटरनेट के विस्तार के साथ वह सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्मों के साथ सहज दिखी। लेकिन काल्पनिक धरातल पर उगा सोशल मीडिया इस पीढ़ी को यथार्थ से बहुत दूर ले गया। फलतः कठोर यथार्थ से जूझते हुए यह पीढ़ी कल्पना व वास्तविकता के द्वंद्व के चलते तनाव व असहजता के भंवर में जा फंसी। इस बात की पुष्टि यूरोपीय आयोग का अध्ययन भी करता है। आयोग कहता है कि लगातार सोशल मीडिया में सक्रियता के चलते युवाओं में चिंता, मानसिक थकान, कुछ खोने का भय व मोबाइल में चिपके रहने की विसंगतियां सामने आई हैं। यहां उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 के विश्व खुशी सूचकांक रिपोर्ट में भी इन खतरों की तरफ इशारा किया गया था। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि युवा वर्ग सबसे अधिक दुखी है। चौंकाने वाली बात यह थी कि उनमें तनाव व डिप्रेशन की वजह पढ़ाई या कैरियर की चिंता नहीं थी बल्कि इसकी मूल वजह सोशल मीडिया ही था। वास्तव में हमने कोरोना संकट से उबरने के लिये जिस ऑनलाइन व्यवस्था को अस्त्र के रूप में अपनाया था, कालांतर वह ही शस्त्र बनकर युवा पीढ़ी को जख्मी करने लगा। उल्लेखनीय है कि विश्वव्यापी कोरोना महामारी के दौरान जब संचार बंदी लागू हुई तो पूरी दुनिया में जनजीवन ठप पड़ गया। जिसके चलते घरों में कैद लोगों को इंटरनेट ही अंतिम सहारा नजर आया। धीरे-धीरे युवाओं का जीवन इंटरनेट पर बहुत ज्यादा आश्रित हो गया। जहां छात्रों की पढ़ाई ऑनलाइन कक्षाओं पर निर्भर हो गई, वहीं मनोरंजन की दुनिया भी मोबाइल आदि तक सिमट कर रह गई। वहीं दूसरी ओर युवाओं के लिये शिक्षा व कैरियर का दबाव यथावत बना रहा। लेकिन एक हकीकत यह है कि जीवन व्यवहार में सब कुछ ऑनलाइन हो पाना संभव नहीं है। जीवन तो हमारी कठोर वास्तविकता और सामाजिक सहभागिता से ही चलता है। वैसे फिलहाल हमारा वैश्विक परिवेश भी कम उथल-पुथल वाला नहीं है। जब तक दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं कोरोना काल में लगे झटके से उबर पाती, दुनिया में कई युद्धों व क्षेत्रीय संघर्षों ने पूरी दुनिया की आर्थिकी की स्वाभाविक गति को रोक दिया। निस्संदेह, रूस-यूक्रेन युद्ध, इस्राइल-हमास संघर्ष व इस्राइल तथा ईरान के बीच हुए संघर्ष ने विश्व विकास की स्वाभाविक गति को बाधित किया, जिसका नकारात्मक प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ा। वहीं वैश्विक टकराव के अलावा युवाओं के अपने राष्ट्रों की विषम स्थितियां व जलवायु परिवर्तन के कारकों के चलते रोजगार के सिमटते अवसरों ने भी नई पीढ़ी को हताश किया। इसके बावजूद युवा पीढ़ी उस सोशल मीडिया में लिप्त रही, जिसका जीवन की ठोस वास्तविकताओं से कोई लेना-देना नहीं है।

एआई का विस्तार या नौकरी का संकुचन: बड़ी चुनौती

ललित गर्ग

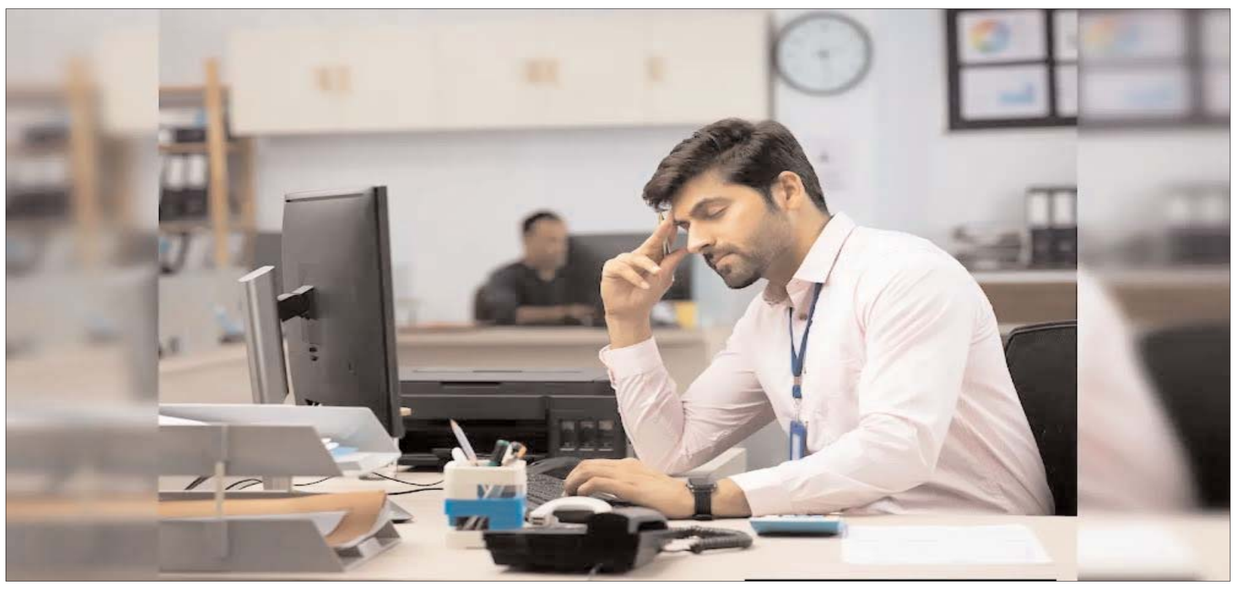

भारत जैसे युवाओं वाले और उभरती अर्थव्यवस्था वाले देश में तकनीकी विकास के प्रति उत्साह हमेशा गहरा रहा है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप क्रांति और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी तकनीकें समाज, राष्ट्र और अर्थव्यवस्था में तीव्र बदलाव की सारथि बनी हैं। हर वर्ग और क्षेत्र ने इस परिवर्तन को आशा एवं सकारात्मकता के साथ अपनाया है, इस उम्मीद में कि तकनीकी तरक्की के साथ रोज़गार के नए अवसर भी सृजित होंगे। लेकिन हाल ही में आईटी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) द्वारा 12,000 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा ने इस उम्मीद पर पानी फेर दिया और इसे बड़ा झटका दिया है। निस्संदेह, छंटनी का यह फैसला आईटी क्षेत्र में आसन्न संकट की आहट को ही दर्शाता है। छंटनी बाबत टीसीएस की दलील है कि इन नौकरियों में कटौती कौशल की कमी और अपने विकसित होते व्यावसायिक मॉडल में कुछ कर्मचारियों को फिर से नियुक्त करने में असमर्थता के चलते की गई है। हालांकि, कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का दावा है कि इस कदम के पीछे एआई से प्रेरित उत्पादकता वृद्धि नहीं है। यह संख्या कंपनी के कुल कार्यबल का लगभग 2 प्रतिशत है, और मुख्यत: मध्यम और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को प्रभावित करेगी।

एआई और ऑटोमेशन केवल तकनीक नहीं हैं, वे कार्य संस्कृति, संगठन संरचना और मानव संसाधन नीति को मूल रूप से बदल रहे हैं। कई रिपोर्टों के अनुसार, एआई से प्रेरित उत्पादकता और लागत में कटौती की प्रवृत्ति बढ़ रही है। उदाहरण के तौर पर, एमेजोन ने 30,000 सॉफ्टवेयर एप्लिकेशनों को एआई की मदद से मात्र छह महीनों में अपग्रेड किया, जो कार्य सामान्यत: डेवलपर्स को एक वर्ष लगता। इससे कंपनी को लगभग 250 मिलियन डॉलर की बचत हुई। इसी प्रकार, माइक्रोसोफ्ट और मेटा जैसी कंपनियों में कोडिंग का 20 से 50 प्रतिशत कार्य एआई से कराया जा रहा है। भारत में एआई का प्रसार अभी अमेरिका या यूरोप की तुलना में सीमित है, लेकिन इसकी गति तीव्र है। देश के स्टार्टअप और आईटी क्षेत्र में छंटनियों की संख्या बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, केवल वर्ष 2025 के शुरुआती पांच महीनों में भारत में 3600 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से हटाया गया, जिसमें एआई आधारित लागत नियंत्रण एक प्रमुख कारण रहा। यह स्पष्ट करता है कि एआई के कारण दोहराव वाले कार्यों की उपयोगिता घट रही है और उनकी जगह स्मार्ट तकनीक ले रही है। मौजूदा समय में यह कदम लागत-अनुकूलन पहलों के चलते अन्य आईटी सेवा कंपनियों में भी छंटनी को बढ़ावा दे सकता है। इसमें दो राय नहीं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता कारोबार के नियमों में मौलिक बदलाव के चलते, भविष्य के लिये तैयार रहना हर व्यावसायिक उद्यम के एजेंडे में सबसे ऊपर होगा। इस नई हकीकत को देखते हुए, अनेक सवाल सबसे ज्यादा विचलित करने वाले बनकर उभर रहे हैं कि क्या यह तकनीकी बदलाव अनिवार्य रूप से कर्मचारियों की कीमत पर होना चाहिए? एआई युग में नौकरी की अनिश्चितता क्या तकनीक विकास के नाम पर विस्थापन नहीं है? छंटनी की चपेट में युवाओं का भविष्य क्या तकनीकी प्रगति के नाम पर मानव श्रम पर आघात नहीं है? क्या स्मार्ट मशीनें के दौर में भारत में रोजगार को नई चुनौती और इंसानों को हताशा में धकेलना नहीं है? एआई का विस्तार यानी नौकरी का संकुचन क्या भारत के लिए बड़ी चेतावनी की घड़ी बन रहा है?

इन प्रश्नों के परिप्रेक्ष्य में देश में बेरोजगारी का संकट किसी से छिपा नहीं है। देश में श्रमबल का कौशल विकास धीरे-धीरे गति पकड़ रहा है। सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में आईटी पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। लेकिन टीसीएस के इस फैसले से आईटी पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर रहे उन लाखों छात्रों और डिग्री लेकर निकल रहे उत्साही इंजीनियरों में निराशा व्याप्त होगी। भारत में बढ़ता रोजगार संकट केंद्र सरकार से निरंतर हस्तक्षेप की मांग करता है। हाल ही में हरियाणा में हुई एक परीक्षा में लाखों युवाओं की भागीदारी इस बात का संकेत है कि रोजगार की मांग कितनी व्यापक और अवसर कितने सीमित हैं। देश ही नहीं, दुनिया में रोजगार का संकुचन एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। गोल्डमैंन सोच्स की रिपोर्ट के अनुसार, एआई और ऑटोमेशन के चलते दुनिया भर में लगभग 300 मिलियन नौकरियां प्रभावित हो सकती हैं। विश्व आर्थिक मंच का आकलन है कि 2030 तक 92 मिलियन नौकरियां खत्म होंगी, लेकिन उसी अवधि में 170 मिलियन नई नौकरियां भी पैदा होंगी। यह एक दोधारी तलवार है, जो बदलेगा, बचेगा; जो रुकेगा, वो हाशिए पर जाएगा।

टीसीएस का दावा है कि छंटनी का निर्णय भविष्य की जरूरतों के अनुसार संगठन को ढालने की रणनीति का हिस्सा है। कंपनी का ध्यान एआई में निवेश, नए बाजारों में प्रवेश, ग्राहक अनुभव सुधार और कार्यबल मॉडल के पुनर्गठन पर केंद्रित है। हालांकि, यह तर्क उन हजारों कर्मचारियों की व्यथा को शांत नहीं कर सकता जिनकी आजीविका पर इसका सीधा प्रहार हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस निर्णय से न केवल कंपनी के भीतर बल्कि समूचे आईटी क्षेत्र में आशंका, आक्रोश एवं अनिश्चितता का माहौल बन गया है। खासकर युवाओं और आईटी की पढ़ाई कर रहे लाखों छात्रों के लिए यह एक मानसिक झटका है। तकनीकी शिक्षा में दाखिले बढ़ रहे हैं, लेकिन रोजगार के अवसर घटते जा रहे हैं। यह असंतुलन देश की सामाजिक स्थिरता को भी प्रभावित कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें बताती हैं कि विश्व स्तर पर लगभग 40 प्रतिशत नौकरियां एआई के कारण जोखिम में हैं। भारत में अनुमान है कि 2025 तक 12-18 मिलियन नौकरियां एआई आधारित ऑटोमेशन के चलते प्रभावित हो सकती हैं, विशेषकर आईटी और बीपीओ क्षेत्रों में। एटेमबर्ग के संस्थापक के अनुसार, भारत में 40-50 प्रतिशत व्हाइट कॉलर नौकरियां एआइ से प्रभावित होने के कगार पर हैं, जिससे देश के मध्यवर्ग की आर्थिक स्थिरता को गहरा झटका लग सकता है।

टीसीएस की छंटनी ने बेरोजगारी के दौर में बड़ी हलचल मचाई है, हालांकि आईटी और तकनीकी पाठ्यक्रमों में दाखिले बढ़े हैं, लेकिन उनमें व्यावहारिक और भविष्य-उन्मुख कौशल की कमी है। यह असंगति ही भविष्य में अधिक छंटनियों का कारण बन सकती है। एआई हर भूमिका को खत्म नहीं करेगा, बल्कि उसे पुनर्परिभाषित करेगा। जहां दोहराव और विश्लेषण की आवश्यकता है, वहां एआई प्रभावी होगा, लेकिन रचनात्मकता, सहानुभूति और निर्णय क्षमता जैसे गुणों में मानव की भूमिका बनी रहेगी। डॉक्टर, शिक्षक, वकील, पत्रकार जैसे पेशों में एआईएक सहयोगी के रूप में कार्य करेगा, प्रतिस्थापन के रूप में नहीं। मेटा के प्रमुख एआई वैज्ञानिक यान लेकुन के अनुसार, 'एआई अधिकतर कार्यों का केवल एक हिस्सा ही कर सकता है, वह भी पूरी तरह परिपूर्ण नहीं। मानव श्रमिकों का सीधा प्रतिस्थापन संभव नहीं है।'

निश्चित तौर पर एआई और तकनीकी बदलाव अपरिहार्य हैं। सवाल यह है कि हम इसके लिए कितने तैयार हैं? इसके लिए तीन प्रमुख कदम जरूरी हैं, पहला पुन:कौशल और सतत शिक्षा यानी कार्यबल को भविष्य के अनुरूप प्रशिक्षित करना होगा। डेटा साइंस, मशीन लर्निंग, एआई एथिक्स, सॉफ्ट स्किल्स जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण अनिवार्य बनाना होगा। दूसरा नीतिगत समर्थन यानी सरकार को एआई नीति, डिजिटल समावेशन और श्रमिक सुरक्षा के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश तय करने होंगे। रोजगार खोने वालों के लिए पुनर्वास योजनाएं और स्किल अपडेट कार्यक्रम आवश्यक हैं। तीसरा सांस्कृतिक और सामाजिक समायोजन यानी एआई को केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन के रूप में भी देखा जाना चाहिए। इसे अपनाने में पारदर्शिता, विश्वास और सहयोग का वातावरण बनाना होगा। तकनीकी बदलाव नई संभावनाएं लेकर आते हैं, लेकिन वे अनायास ही चुनौतियां भी खड़ी करते हैं। टीसीएस की छंटनी से जो संदेश मिलता है वह यही है कि एआई युग में केवल वही टिकेगा जो परिवर्तनशील रहेगा। अब समय आ गया है कि हम तकनीक को केवल उपकरण नहीं, बल्कि नीति और जीवनशैली का हिस्सा मानें। सतत सीखना, अनुकूलन और सामाजिक न्याय, यही तीन स्तंभ हैं, जो भारत को इस तकनीकी क्रांति में न केवल जीवित, बल्कि अग्रणी बना सकते हैं।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3606

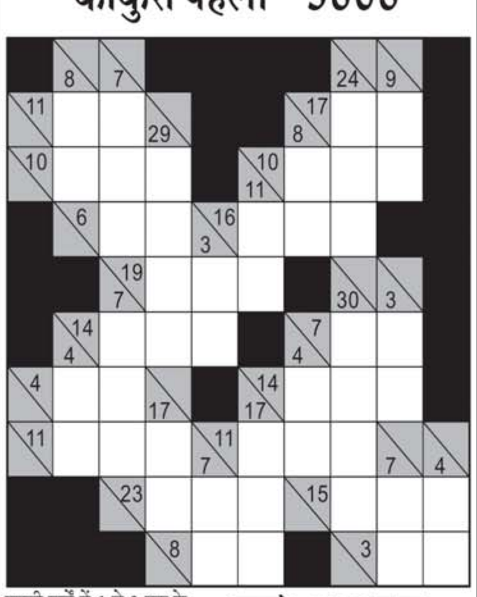

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3605 का हल

हंसी के फूव्वारें

'सुधीर, आज जब मैं पढ़ा रहा था तो तुम बातें कर रहे थें. अध्यापक ने कहा.'
'नहीं सर, आपको भ्रम हो गया लगता है मैं तो नींद में कभी बाते नहीं करता हूँ.'

'कल रात अंधेरे में एक चोर मेरे कमरे में घुस आया.' एक लड़की ने अपने प्रेमी को बताया.
'फिर क्या उसने कुछ चुराया?' प्रेमी ने पूछा.
'हां, बहुत कुछ चुराकर ले गया, मैं समझी कि तुम आये हो.'

मालिक(नौकर से) : रामू इस वर्ष तुम चार बार अपने दादा के मरने की छुट्टी ले चुके हो अब किस बात की छुट्टी चाहिए?
रामू: मालिक मेरी दादी की शादी है.

एक महिला ने अपनी सखी को बताया, 'मेरे लिए पति की देखभाल करना मुश्किल काम नहीं, आखिर मैं अपने चार बच्चों को पाल चुकी हूँ.'

रात्रि का समय था. हवलदार ने एक साइकिल सवार को बिना रोशनी लगाये आते देखा तो उसने रोका और पूछा- 'यह साइकिल तुम्हारी है?'
'जी नहीं.'
'तुम्हारा नाम'
'जी वह मेरा अपना है.'

फिल्म वर्ग पहेली- 3606

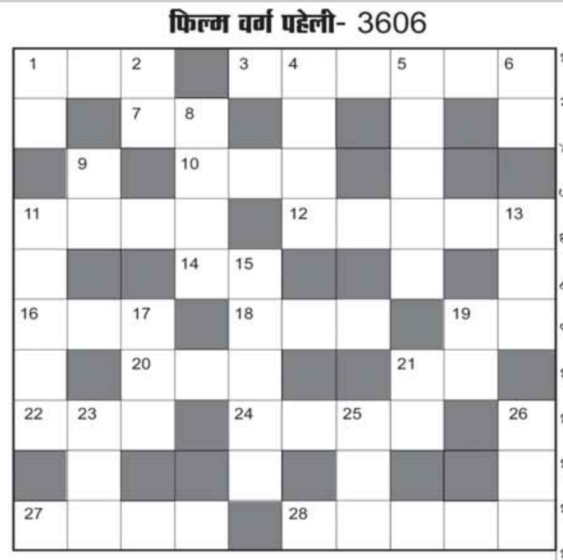

बायें से दायें:-

१. नाना, सलमान, सीमा, मनीषा की 'आज मैं ऊपर' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जै जै शिवशंकर' गीत वाली संजीव कुमार, राजेश, मुमताज की फिल्म-३,३
७. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबानो की 'आज की रात नया चांद' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली अजय, मा.सत्यजीत, अलका की फिल्म-३
११. मनोजकुमार, बबीता की 'वो परी कहां से लाऊं' गीत वाली फिल्म-४
१२. 'राम हो क्या तुम' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-२,३
१४. फिल्म 'बावरे नैन' में राजकुमार के साथ नायिका कौन थी?-२
१६. अमिताभ, नीतूसिंह की 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि कपूर, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
१९. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिल ने चाहा है क्या' गीत वाली सनी देओल, फरहा की फिल्म-३
२१. फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन है.?-२
२२. संजयदत्त, फरहा की 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'तूने जिंदगी में आके' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, अमीषा पटेल की फिल्म-४
२७. अमिताभ, वहीदा, नीतू सिंह की 'हमका ऐसा वैसा ना' गीत वाली फिल्म-४
२८. फिल्म 'मासूम' का नायक था-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. 'वादा रहा' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२. मिथुन चक्रवर्ती, मुनमुन सेन की १९८६ की एक फिल्म-२
४. 'एक चतुर नार' गीत वाली सुनीलदत्त, किशोरकुमार, सायराबानो की फिल्म-४
५. अनिल, जैकी, पूजा भट्ट की 'जो मांगा था ख्वाब में' गीत वाली फिल्म-२,१,२
६. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
८. अजय देवगन, अक्षय, उर्मिला की 'ये ताजगी ये सादगी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'राजा की आयेगी बरात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
११. राकेश रोशन, हेमा की 'आज उनसे पहली' गीत वाली फिल्म-३,२
१३. 'जाना तेरे प्यार में' गीत वाली अश्मित पटेल, इमरान हाशमी, मल्लिका की फिल्म-३
१५. प्रदीपकुमार, बीना राय की 'पाँव छू लेने दो' गीत वाली फिल्म-५
१७. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिलकपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१९. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में महिमा के साथ नायक कौन था-२
२१. 'अकेले हैं चले आओं' गीत वाली राजेशखन्ना, बबीता की फिल्म-२
२३. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की 'चुपके से दिल देदे' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'गाँवार' में नायक कौन था-३
२६. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3605

सूडोकु -3606

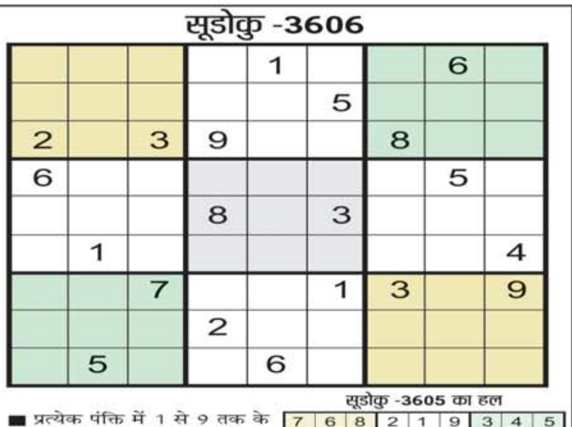

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3605 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

शब्द पहेली - 3606

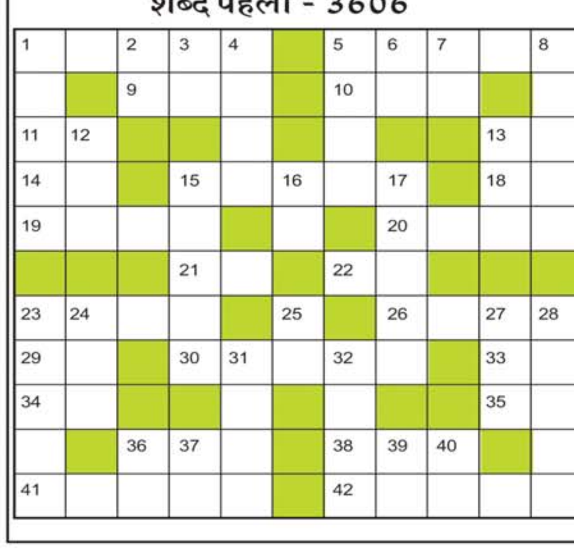

बाएँ से दाएँ

1.यश प्राप्त करना-5
5.चतुर, जहीन-5
9.दया, तरस-3
10.कामदेव-3
11.लीन, तल्लीन-2
13.बोली, आवाज-2
14.राजदुर्वा-2
15.एक प्रकार का बिस्किट-2,3
18.मत, सलाह-2
19.जो लायक न हो-4
20.अधीनस्थ-4
21.कहानी, गाथा-2
22.श्रवणेंद्रिय-2
23.कुएं से पानी भरने का चबूतरा-4
26.दान देने वाला-4
29.वरदान, दूल्हा-2
30.पत्नी का नाना-2,3
33.सूर्य, दिनकर-2
34.भीगा हुआ-2
35.सुर आलाप-2
36.फूलों का रस,अर्क-3
38.तरंग, हिलोर-3
41.जरुरतमंद-5
42.सेंधमार-5

ऊपर से नीचे

1.नामकरण-5
2.टैक्स,हाथ-2
3.महीना, मास-2
4.नामवर, प्रसिद्ध-4
5.संधि, सामंजस्य-4
6.सरुर, नशा-2
7.झंकार-2
8.रमण योग्य-5
12.तगारी, नांद-3
13.सुअर-3
15.अभिमान मर्दित होना -2,3
16.समाप्त-2
17.नेकनीयत-5
23.हनुमान-3,2
24.मुलायम-3
25.उम्मीद, आशा-2
27.बहादुरी-3
28.शिव, रविलोचन-2,3
31.नामचीन-4
32.सुसंचालन-4
36.चेहरे का तेज, दर्प-2
37.रिश्तेदार-2
39.अधिकार-2
40.ईश्वर, भगवान-2

शब्द पहेली -3605 का हल

किसानों का धरना खत्म : प्राधिकरण के अधिकारियों से वार्ता के बाद लिया निर्णय

किसानों ने 10 सूत्रीय मांगों को लेकर आज नोएडा में 6 जगहों पर महापंचायत की, करीब 250 किसानों ने नोएडा प्राधिकरण का घेराव किया।

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में चल रहा किसानों का धरना अधिकारियों से वार्ता के बाद खत्म हो गया। अब सिर्फ नोएडा में किसानों का धरना जारी रहेगा। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि अधिकारियों से मिले आश्वासन के बाद ये निर्णय लिया गया है। अगर जल्द मांगे पूरी नहीं हुई तो किसान फिर से आंदोलन को मजबूर होंगे। इसकी जिम्मेदार शासन-प्रशासन की होगी।

किसान संगठन के पदाधिकारी पवन खटाना के मुताबिक दिन भर में गलगोटिया यूनिवर्सिटी के कट के पास भारतीय किसान यूनियन टिकैत की महापंचायत हुई। शाम को तीनों प्राधिकरण के अधिकारी पुलिस प्रशासन के साथ धरना समाप्त कराने पहुंचे। इस दौरान कहासुनी भी हुई। वे जबरन धरना खत्म कराना चाहते थे।

81 गांव के किसान महापंचायत में हुए शामिल

वहीं भारतीय किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष विमल त्यागी ने बताया-- भारतीय किसान यूनियन मंच के सभी पदाधिकारी और 81 गांव के किसानों ने आज महापंचायत की। इसमें किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

उसके बाद शाम को नोएडा प्राधिकरण के दफ्तर पहुंचे। वहां बोर्ड रूम में नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय खत्री सतीश पाल ओएसडी महेंद्र प्रसाद क्रांति शेखर एसडीम सीमा चौहान डीएम विजय रावल आरपी सिंह संग बैठक की।

बातचीत सकारात्मक रही।

नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय खत्री ने आश्वासन दिया किसानों के 5 मूल प्लाट के आवंटन 10 प्रतिशत की धनराशि के चेक आबादी के कार्य चार दिन से दो सप्ताह के अंदर करवा दिए जाएंगे।

बता दें कि किसानों ने 10 सूत्रीय मांगों को लेकर आज नोएडा में 6 जगहों पर महापंचायत की। करीब 250 किसानों ने नोएडा प्राधिकरण का घेराव किया। गलगोटिया अंडरपास पर 100 से ज्यादा ट्रैक्टर से 1000 से ज्यादा किसान पहुंचे थे।

किसानों का कहना है कि मांगे पूरी होने तक डटे रहेंगे

किसानों का कहना है कि अगर उनकी मांगे नहीं मानी जाती हैं। तो वह लोग यहां पर अनिश्चितकालीन धरने के लिए आए हैं।

इसी लिए राशन से लेकर खाना-पानी सभी की व्यवस्था हमने पहले ही कर ली है।

महिलाएं भी बड़ी संख्या में पहुंची हैं। जिससे हम आंदोलन को और अधिक धार दे सकें।

मंगलवार को हुई थी भारतीय किसान परिषद के साथ बैठक

मंगलवार को भारतीय किसान परिषद के प्रतिनिधिमंडल की बैठक नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम के साथ हुई थी। परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखवीर खलीफा ने बताया कि बैठक में किसानों की समस्याएं रखी गई थी। जिसमें 5क के बाद 5ख व 5ग कर किसानों के नाम खतौनी में दाखिल करने का मुद्दा उठाया गया। जिसपर सीईओ नए जिला अधिकारी के स्तर से हस्ताक्षर कराकर प्रकरण को एक माह के भीतर निस्तारित करने का वादा किया। एक महीने में पांच प्रतिशत प्लाट लगाने का आश्वासन दिया गया। इस मामले में सीईओ ने कहा कि जल्द ही प्रमुख सचिव औद्योगिक से बातचीत कर कर गवर्नमेंट ऑर्डर जारी करवाया जाएगा। खलीफा ने कहा कि यदि इसी तरह किसानों के हितों के लिए काम होते रहेंगे तो वह प्राधिकरण के साथ सहयोग करेगा।

6 स्थानों पर एकत्र हो रहे किसान

नोएडा विकास प्राधिकरण
यमुना विकास प्राधिकरण
गलगोटिया यूनिवर्सिटी का कट
स्पोर्ट्स सिटी का वीआईपी गेट
सलारपुर अंडरपास
रौनिजा अंडरपास

नोएडा-गुड़गांव में 47 जगहों पर सीबीआई की रेड

होम बायर्स के साथ धोखाधड़ी करने के मामले में एक्शन, 22 बिल्डर्स पर एफआईआर

नोएडा। दिल्ली-एनसीआर में हजारों होम बायर्स के साथ धोखाधड़ी करने वाले बिल्डर्स के खिलाफ सीबीआई ने बड़ा एक्शन लिया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर 22 एफआईआर दर्ज कर 47 ठिकानों पर छापेमारी की। यह एक्शन सबवेंशन स्कीम घोटाले से जुड़ा है। जिसमें बिल्डर्स और वित्तीय संस्थानों ने मिलकर होम बायर्स को ठगा गया। सीबीआई ने बिल्डर और फाइनेंशियल संस्थानों के बीच मिलीभगत के मामले में कुल 22 केस दर्ज किए हैं। इस संबंध में सीबीआई ने दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद स्थानों पर रेड कंडक्ट की। तलाशी के दौरान विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज और कुछ डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य जब्त किए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि बिल्डरों और कुछ फाइनेंशियल संस्थानों के अधिकारियों के बीच

साठगांठ है। जिसकी वजह से होम बायर्स को जानबूझकर एक फर्जी और जालसाजी वाली सबवेंशन स्कीम के जरिए फंसाया गया।

अप्रैल 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को 7 प्रीलिमिनरी इन्क्वायरी शुरू करने को कहा था। सीबीआई ने 3 महीने के भीतर 6 प्रीलिमिनरी इन्क्वायरी पूरी की और कोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट सौंपी। इससे पहले सीबीआई ने बिल्डर से संबंधित दस्तावेज नोएडा, ग्रेटरनोएडा प्राधिकरण से लिए थे। जिसमें काफी खामियां मिली। इन्हीं साक्ष्यों के आधार पर सीबीआई ने तलाशी अभियान चलाया।

बिल्डर 2014 में लाए थे सबवेंशन स्कीम

नोएडा, ग्रेटर नोएडा में सब वेंशन स्कीम के तहत लाई गई ग्रुप हाउसिंग योजनाओं की शुरुआत 2014 के आसपास हुई थी। योजना में धांधली के लिए कुछ बिल्डरों ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए बैंकों से लोन पास कराए। बैंकों ने बिना मूल्यांकन और निरीक्षण के रकम जारी कर दी। अधिकारियों के अनुसार, बिल्डर और बैंक के बीच अघोषित समझौते के तहत बैंकों ने बिल्डरों को लोन की पूरी राशि दे दी। शर्तों के तहत फ्लैट का कब्जा मिलने तक बिल्डर को ही ईएमआई का भुगतान करना था, लेकिन कुछ समय बाद बिल्डरों ने ईएमआई देनी बंद कर दी और खरीदारों को फ्लैट भी नहीं दिए। इससे खरीदारों पर ईएमआई का बोझ आ गया और बड़ी संख्या में खरीदार डिफॉल्टर हो गए। कुछ वर्षों बाद इन योजनाओं को लाने वाले अधिकांश बिल्डर दिवालिया हो गए।

40 परियोजनाओं के बायर्स हुए डिफाल्टर

नोएडा-ग्रेनो समेत एनसीआर की करीब 40 परियोजनाओं में हजारों फ्लैट खरीदार फंसे हुए हैं। सीबीआई स्पोर्ट्स सिटी मामले की भी जांच कर रही सीबीआई नोएडा में स्पोर्ट्स सिटी घोटाले की भी जांच कर रही है। बीते एक महीने में तीन-चार बार सीबीआई की टीम प्राधिकरण के दफ्तर आ चुकी है। टीम ने स्पोर्ट्स सिटी की सेक्टर-78, 79, 150 और 152 में आवंटित हुए भूखंडों की भी मौके पर जाकर जांच की। सीबीआई इन जगहों का ड्रोन से भी सर्वे कर चुकी है।

वीवीआईपी होम्स के 76 फ्लैट खरीदारों को मिला मालिकाना हक

ग्रेनो प्राधिकरण ने सोसाइटी में लगाया रजिस्ट्री शिविर

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर 16 सी स्थित वीवीआइपी होम्स के फ्लैट खरीदारों के लिए बुधवार का दिन खुशी भरा रहा। लंबे इंतजार के बाद उनके नाम फ्लैटों की रजिस्ट्री शुरू हो गई।

खरीदारों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण, स्टांप विभाग और बिल्डर ने मिलकर सोसाइटी परिसर में ही रजिस्ट्री शिविर लगाया। ग्रेनो प्राधिकरण की एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस की मौजूदगी में शिविर का शुभारंभ किया गया। पहले दिन करीब 76 फ्लैटों की रजिस्ट्री कर खरीदारों को दस्तावेज सौंपे गए। इस सोसाइटी में कुल 286 फ्लैटों की रजिस्ट्री होनी है। वीवीआइपी होम्स में लगभग 1300 फ्लैट हैं। इनमें से कुछ फ्लैटों की रजिस्ट्री पहले भी हो चुकी है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर फ्लैट खरीदारों की सुविधा के लिए बिल्डर विभाग स्टांप विभाग के साथ मिलकर सोसाइटियों में शिविर आयोजित कर रहा है।

बिसरख में अतिक्रमण पर ग्रेनो प्राधिकरण का चला बुलडोजर

8900 वर्ग मीटर अर्जित जमीन कराई मुक्त

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने बुधवार शाम बिसरख एमनाबाद में अर्जित जमीन पर अतिक्रमण के खिलाफ बुलडोजर चलाया।

इस कार्रवाई में 8900 वर्ग मीटर जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। इस जमीन की कीमत लगभग 18 करोड़ रुपए आंकी गई है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार को सूचना मिली थी कि बिसरख ऐमनाबाद के खसरा संख्या 225 में प्राधिकरण की जमीन पर अतिक्रमण हो रहा है। सीईओ के निर्देश पर एसीईओ सुमित यादव ने वर्क सर्किल-3 की टीम से मौके पर जांच कराई। सूचना सही पाए जाने पर बुधवार शाम को कार्रवाई की गई।

अतिक्रमण करने वालों ने मौके पर आरएमसी प्लांट लगा रखा था और चारदीवारी बना रखी थी। वे कुछ कमरे

भी बनाने की तैयारी में थे। वर्क सर्किल-3 के प्रभारी राजेश कुमार निम के नेतृत्व में मैनेजर रोहित गुप्ता और टीम ने जेसीबी से अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया।

एसीईओ सुमित यादव ने चेतावनी दी है कि अधिसूचित क्षेत्र में अवैध निर्माण करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण की तरफ से अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

नोएडा में मजदूरों के लिए बनेगी नई पॉलिसी

प्रोजेक्ट शुरू करने से पहले बनाना होगा अस्थाई निवास, जल्द बोर्ड में जाएगा प्रस्ताव

नोएडा। नोएडा में ग्रुप हाउसिंग और यूटिलिटी प्रोजेक्ट्स पर काम करने वाले मजदूरों को लेकर नोएडा प्राधिकरण जल्द ही एक नई पॉलिसी लाने जा रहा है। अभी मजदूर काम के दौरान साइट के आसपास झुग्गियां बनाकर रहते हैं, जिससे हादसे का खतरा रहता है। साथ ही आसपास के रिहायशी लोग भी शिकायतें करते हैं। इन सबको ध्यान में रखते हुए प्राधिकरण ने तय किया है कि अब बिल्डर या ठेकेदार को निर्माण शुरू करने से पहले मजदूरों के रहने की उचित व्यवस्था करनी होगी।

नई पॉलिसी के तहत, बिल्डर या ठेकेदार को अस्थाई निर्माण की अनुमति प्राधिकरण से लेनी होगी। इसके अलावा, जिस प्लॉट पर प्रोजेक्ट बन रहा है, उसके मालिक से एनओसी लेना जरूरी होगा। मजदूरों के लिए बनाए जाने वाले इन अस्थाई कमरों में पानी, शौचालय और दूसरी जरूरी

सुविधाएं देना अनिवार्य होगा।

गोदरेज और अन्य कंपनियों ने रखी थी मांग

हाल ही में गोदरेज कंपनी ने प्राधिकरण में एक प्रजेंटेशन दिया, जिसमें उसने लेबर के लिए अस्थाई आवास बनाने की बात की थी। इसके अलावा दो-तीन और कंपनियों ने भी ऐसी ही डिमांड रखी थी। लेकिन नोएडा प्राधिकरण के पास उस समय कोई स्पष्ट नीति नहीं थी, इसलिए उन्हें अनुमति नहीं दी गई।

पुनर्विकास नीति से होगा सीधा जुड़ाव

नोएडा में पुरानी, कमजोर हो चुकी इमारतों को नए सिरे से बनाने के लिए पुनर्विकास योजना (Redevelopment Policy) शुरू की गई है। इसमें 30 साल पुरानी हाउसिंग सोसाइटीज़ को फिर से बनाया जाएगा। इस दौरान भी बड़ी संख्या में मजदूर काम करेंगे, ऐसे में उनके लिए अस्थाई निवास की सुविधा जरूरी होगी। नई पॉलिसी इसी जरूरत को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है।

बिल्डर या ठेकेदार को करना होगा कंस्ट्रक्शन

बिल्डर या ठेकेदार को प्रोजेक्ट बनाने से पहले मजदूरों के रहने के लिए अस्थाई निवास तैयार करने होगा। वहां कमरों के निर्माण के अलावा पीने के लिए पानी, शौचालय वगैरह की व्यवस्था करनी होगी। इसे बनाई जाने वाली पॉलिसी में शामिल किया जाएगा। जिससे लेबर को फायदा मिलेगा। साथ मिलने वाली शिकायत भी कम होंगी।

जल्द तैयार होगी पॉलिसी

प्रजेंटेशन के बाद करीब एक से डेढ़ सप्ताह से इस पॉलिसी पर काम किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि आगामी बोर्ड में इसका प्रस्ताव रखा जा सकता है। इसको लेकर तेजी से काम किया जा रहा है। किसी अन्य राज्य में इस तरह की पॉलिसी है या नहीं इस पर भी गौर किया जा रहा है।

शार्ट न्यूज

नोएडा में बाजार की दुकान में लगी आग

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-27 के डी ब्लाक स्थित मार्केट की दो दुकानों में आग लग गई। आग ने मिनटों में पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। वहां मौजूद लोगों ने इसकी जानकारी दमकल विभाग को दी। मौके पर दमकल की दो गाड़ियों को भेजा गया। आग पर करीब 30 मिनट की मशक्कत के बाद काबू पाया गया। आग से दुकान के अंदर रखा सारा सामान जल गया। हालांकि कोई जनहानि नहीं है। साथ ही आसपास की दुकानों तक आग को फैलने से रोका गया। सीएफओ प्रदीप कुमार ने बताया कि सेक्टर-27 में दो दुकानों को मिलाकर एक फूड प्लाजा बनाया है। इसी में दोपहर को अचानक आग लग गई। गनीमत रही कि आग लगने के साथ ही सभी लोग दुकान के बाहर आ गए थे। कोई फंसा नहीं था। सीएफओ ने बताया कि आग की वजह पता की जा रही है। प्राथमिक जांच में सामने आया कि आग गैस रिसाव के चलते ही लगी है। क्योंकि आग बहुत तेजी से फैली थी। जानकारी मिलते ही मौके पर दमकल की दो गाड़ियों को भेजा गया। पहले आसपास की दुकानों पर पानी छिड़काव किया गया। इसके बाद मुख्य दुकान पर पानी का छिड़काव किया गया।

कैंटर के अचानक ब्रेक लगाने से कार टकराई, दो युवकों की मौत, एक गंभीर

जेवर। ग्रेटर नोएडा के जेवर कोतवाली क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे पर एक भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। मंगलवार रात करीब 2 बजे यह हादसा तब हुआ जब दिल्ली से लखनऊ लौट रहे तीन दोस्तों की कार एक कैंटर से टकरा गई। घटना के अनुसार, कैंटर चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए जिससे पीछे से आ रही कार उसमें जा घुसी। हादसे में कार में सवार तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस और एक्सप्रेसवे कर्मियों ने तीनों को कार से निकालकर जेवर के अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में इलाज के दौरान धर्मवीर और अंकित मिश्रा की मौत हो गई। तीसरे युवक आनंद की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। मृतक अंकित मिश्रा के बहनोई शुभम त्रिपाठी ने कैंटर चालक के खिलाफ जेवर कोतवाली में मामला दर्ज कराया है। पीड़ित पक्ष के अनुसार, तीनों दोस्त किसी काम से लखनऊ से दिल्ली गए थे और वापस लौटते समय यह हादसा हो गया। जेवर कोतवाली प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि जल्द ही आरोपी कैंटर चालक की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

महिला मित्र से मारपीट का वीडियो वायरल

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के थाना बिसरख क्षेत्र में एक युवक द्वारा अपनी महिला मित्र के साथ की गई मारपीट का मामला सामने आया है। घटना आम्रपाली गोल्फ होम्स सोसाइटी, गौर सिटी-2 की है। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की। वीडियो में देखा जा सकता है कि युवक फ्लैट के बालकॉनी में महिला के साथ मारपीट कर रहा है। सामने के फ्लैट के लोगों ने इस घटना को अपने मोबाइल फोन में कैद कर लिया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया। आरोपी की पहचान शिब्बू (24) पुत्र इकबाल के रूप में हुई है। वह न्यू उस्मानपुर, अरविन्द नगर, थाना उस्मानपुर, दिल्ली का रहने वाला है। पीड़िता भी उस्मानपुर, दिल्ली की निवासी है। थाना बिसरख पुलिस ने आरोपी शिब्बू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार मामले में अन्य वैधानिक कार्रवाई प्रचलित है। घटना 30 जुलाई 2025 की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि फोन पर पबजी खेलने के दौरान किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इसके बाद युवती ने युवक के फोन को फेंक दिया और इसी बात से युवक नाराज हो गया।

ग्रेटर नोएडा में बीटेक छात्रा ने लगाई फांसी

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में जीएनआईओटी कॉलेज की बीटेक प्रथम वर्ष की छात्रा ने घर पर पंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका खुशबू पंडित सेक्टर सिग्मा-4 स्थित ग्रांड फोर्ट सोसाइटी में परिवार के साथ रहती थी। पुलिस के अनुसार, 9 जुलाई को केसीसी कॉलेज में परीक्षा के दौरान खुशबू के पास से नकल की चिट बरामद हुई थी। इसके बाद उसकी उत्तरपुस्तिका छीनकर उसे नई शीट दी गई थी। इस घटना के बाद से वह मानसिक तनाव में थी। मंगलवार देर रात उसका शव पंखे से लटका हुआ मिला। सूचना मिलने पर पहुंची बीटा-2 कोतवाली पुलिस ने शव को नीचे उतारकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतका के परिजनों का दावा है कि परीक्षा के दौरान जो चिट बरामद की गई थी, वह उस परीक्षा से संबंधित नहीं थी। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि छात्रा बाथरूम गई थी, जहां से नकल संबंधित चिट बरामद हुई थी। मृतका के भाई विकास पंडित की शिकायत पर पुलिस ने केसीसी कॉलेज प्रबंधन, अज्ञात शिक्षक और कर्मचारियों के खिलाफ प्रताड़ित करने का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मूलरूप से बिहार के वैशाली जिले के रहीमपुर गांव की रहने वाली खुशबू के आत्महत्या से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

ग्रेटर नोएडा में दोस्त ने की दोस्त की हत्या

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के दादरी थाना क्षेत्र के भोगपुर गांव में एक युवक ने अपने दोस्त की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान बब्बल के रूप में हुई है। उसे उसके दोस्त विवेक ने गोली मारी। घटना रात के समय हुई जब दोनों दोस्त एक साथ शराब पी रहे थे। शराब के नशे में किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि विवेक ने बब्बल को गोली मार दी और मौके से फरार हो गया। पुलिस के अनुसार, दोनों एक ही परिवार से थे और अच्छे दोस्त थे। वे अक्सर साथ समय बिताते थे। मृतक के परिजनों ने इस मामले में तहरीर दी है और चार लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने इस मामले में अभिषेक और विजेंद्र नाम के दो आरोपियों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ जारी है। मुख्य आरोपी विवेक अभी भी फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जांच की जा रही है।

गौतम बुद्ध नगर जिले को मिली पहली महिला डीएम मेधा रूपम ने संभाला कार्यभार

ग्रेटर नोएडा। वकार सैफी। गौतम बुद्ध नगर जिले को पहली महिला डीएम मिल गई है, नई डीएम मेधा रूपम ने कलेक्ट्रेट के कोषागार में आयोजित समारोह डीएम का कार्यभार संभाल लिया।

इस दौरान उनके साथ के निवर्तमान डीएम मनीष कुमार वर्मा भी उपस्थित थे। उन्होंने मेधा रूपम को डीएम का कार्य भार सौंपा। गौतम बुध नगर के निवर्तमान डीएम मनीष कुमार वर्मा को प्रयागराज का डीएम बनाया गया है।

बता दे कि डीएम कार्यभार संभालते ही मेधा रूपम ने जिले के प्रशासनिक कार्यों की प्राथमिकता को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में सुशासन, पारदर्शिता और जनसुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा

कि जनता की समस्या के समाधान पर उनका विशेष फोकस रहेगा और प्रदेश शासन द्वारा संचालित की जा रही जन कल्याणकारी कार्यक्रमों को और योजनाओं को प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रयास करेगी।

डीएम मेघा रूपम 2014 बैच की आईएएस अधिकारी हैं। वह इससे पहले कासगंज में तैनात थी, वहां से उनका गौतम बुद्ध नगर के लिए ट्रांसफर हुआ है। वह ग्रेटर नोएडा में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी रह चुकी हैं और हापुड़ में डीएम के रूप में कार्य कर चुकी हैं।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण मे अपने अपर मुख्य कार्यपालक के कार्यकाल के दौरान यहां की परिस्थितियों के बारे में वाकिफ है और वह क्षेत्र में अपनी सक्रियता के लिए जानी जाती थी।

नोएडा के निजी स्कूल में निर्माण कार्य के दौरान हादसा

गौतम बुद्ध नगर। नोएडा के थाना 142 क्षेत्र के सेक्टर 137 स्थित एक निजी स्कूल में निर्माण कार्य के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। स्कूल में चल रहे निर्माण कार्य के दौरान रेलिंग गिरने से दो महिला कामगार उसके नीचे दब गईं। इस हादसे में 60 वर्षीय महिला की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरी महिला, जो मृतका की बहू है, गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। घायल महिला को तत्काल अस्पताल भेजा गया है, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा था या नहीं। स्कूल प्रबंधन से भी इस संबंध में पूछताछ की जा रही है।

निठारी कांड में सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट का आदेश रखा बरकरार

सीबीआई की याचिका को किया गया खारिज, पर्याप्त सबूत पेश करने में रही विफल

नोएडा। नोएडा के निठारी कांड मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है। सुप्रीम कोर्ट ने निठारी केस में आरोपी सुरेंद्र कोली को बरी करने के इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश को सही माना है। सर्वोच्च अदालत ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि निठारी कांड के आरोपी सुरेंद्र कोली को बरी करने के इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले में कोई गड़बड़ी नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट में आरोपी सुरेंद्र कोली और मनिंदर सिंह पंढेर की ओर से पेश हुईं वरिष्ठ अधिवक्ता मनीषा भंडारी ने कहा कि सीबीआई पर्याप्त सबूत पेश करने में विफल रही। उन्होंने दलील दी कि फांसी जैसी कठोर सजा तब तक नहीं दी जा सकती, जब तक पुख्ता वैज्ञानिक या प्रत्यक्षदर्शी साक्ष्य न हों। मनीषा भंडारी ने यह भी कहा कि केवल परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के

आधार पर दोषसिद्धि न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है।

हाइकोर्ट ने 14 मामलों में एक साथ की थी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट के तीन सदस्यों की पीठ में मामले की सुनवाई हुई और अब यह फैसला आया है। चीफ जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस विनोद चंद्रन की पीठ ने यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के 16 अक्टूबर 2023 के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसमें सुरेंद्र कोली को 12 और मनिंदर सिंह पंढेर को दो मामलों में मिली फांसी की सजा को रद्द कर दिया गया था।

इलाहाबाद हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच जस्टिस अश्विनी कुमार मिश्रा और जस्टिस एसएचए रिजवी ने 14 आपराधिक अपीलों पर एक साथ सुनवाई करते हुए यह निर्णय सुनाया था। हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि सभी मामले परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित हैं। प्रत्यक्षदर्शी गवाहों की अनुपस्थिति में सजा नहीं दी जा सकती है।

सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में दी थी चुनौती

सीबीआई ने नोएडा के निठारी हत्याकांड मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। हाई कोर्ट की ओर से आरोपी सुरेंद्र कोली को बरी किए जाने के खिलाफ दायर सीबीआई की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। इसके साथ ही, मनिंदर सिंह पंढ़ेर के खिलाफ दायर याचिका को भी खारिज कर दिया गया है।

प्रॉपर्टी डीलर की दिनदहाड़े हत्या

मेरठ में कोर्ट से लौटते समय बदमाशों ने गोलियां बरसाईं; 5 दिन पहले जेल से छूटकर आया था

मेरठ। मेरठ में बुधवार को एक प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वो कचहरी गए थे, वहां से लौट रहे थे। तभी रास्ते में बाइक सवार बदमाशों ने उनको रोक लिया। उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। एक गोली उनकी गर्दन, तो दूसरी कमर में लगी। 5 दिन पहले ही गैंगस्टर के मामले में जेल से छूटकर आए थे।

बीच सड़क पर फायरिंग की आवाज सुनकर लोगों की भीड़ लग गई। इसी बीच, बदमाशों ने बाइक घुमाई और भाग निकले।

बाइक पर दो बदमाश थे। एक बाइक चला रहा था और दूसरा पीछे बैठा था। जानकारी मिलने पर दो थानों की पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची। आसपास के इलाके में चेकिंग की। क्राइम स्पॉट को सील कर दिया।

फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए।

आसपास के सीसीटीवी खंगाल रही है। अभी ये पता नहीं चल सका कि वारदात को क्यों अंजाम दिया गया। ये मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र के सुभाष नगर का है।

फतेल्लापुर निवासी सलीम (45) प्रॉपर्टी डीलर हैं। 24 साल पहले मारपीट के मामले में पुलिस ने उन पर 307 का मुकदमा दर्ज किया था। इसकी तारीख थी। कोर्ट से शाम साढ़े बजे वह बाइक से घर जा रहे थे।

जैसे ही सुभाष नगर मुख्य मार्ग की गली नंबर दो से थोड़ा आगे पहुंचे। तभी पीछे से बाइक पर सवार होकर 2 बदमाश आए। उनको रोका। तमंचा निकला और फायरिंग करने लगे।

गोली लगते ही सलीम सिर के बल नीचे गए। फायरिंग की आवाज से लोगों की भीड़ लग गई। इसके बाद बदमाश वहां से भाग निकले।

जांच के लिए तीन टीमों का गठन

सिविल लाइन पुलिस और सीओ अभिषेक तिवारी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने शव को मॉर्च्युरी भिजवाया। सलीम पर नौचंदी थाने से गैंगस्टर लगी हुई थी, जिसमें वह शनिवार को जेल से छूटकर लौटे थे। पुलिस आरोपी की तलाश में दबिश दे रही है। इस दौरान पुलिस ने 50 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लिया गया। जिसके जरिए तलाश जारी है। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया-हत्या के पीछे की वजह प्रापर्टी विवाद लग रहा है। सलीम का किसी से विवाद चल रहा था। फिलहाल तीन टीमों का गठन किया गया है। परिजनों से बातचीत और अन्य बातें सामने आएंगी।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने किया जिला जेल का औचक निरीक्षण, बंदियों से की बातचीत

पीलीभीत। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह और पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव ने जिला कारागार का औचक निरीक्षण करते हुए जेल प्रशासन को बंदियों को समुचित सुविधाएं देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने किशोर बैरक, महिला बैरक एवं अन्य बैरकों का गहनता से अवलोकन किया ।बैरकों का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों ने बंदियों से सीधे संवाद किया और उनकी समस्याएं जानीं। कई बंदियों ने कानूनी सहायता न मिलने की शिकायत की, जिस पर जिलाधिकारी ने जेल प्रशासन को निर्देशित किया कि जिन बंदियों के पास जमानत हेतु वकील नहीं हैं, उनकी सूची तैयार कराकर सरकारी स्तर पर वकीलों की व्यवस्था की जाए ।महिला बैरक में बंद महिलाओं से भी जिलाधिकारी ने संवाद किया और उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की समीक्षा की। वहीं किशोर बैरक के निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए कि इच्छुक किशोरों को कम्प्यूटर शिक्षा से जोड़ा जाए। निरीक्षण के समय जेल अधीक्षक, जेलर और अन्य कारागार अधिकारी मौजूद रहे।

डीएम और एसपी ने जिला कारगार किया स्थलीय निरीक्षण

हरिनारायण यादव विशाल इंडिया

गाज़ीपुर। जिलाधिकारी अविनाश कुमार एवं पुलिस अधीक्षक डा0 ईरज राजा ने जिला कारागार गाजीपुर का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एंव पुलिस अधीक्षक ने जिला कारागार मे कारागार चिकित्सालय, महिला एंव पुरूष बैरक, रसोई घर, का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कारागार के बैरक में रहने वाले कैदियों से उनकी समस्याओं के बारे में पूछताछ की। कुछ कैदियों ने अपनी समस्या भी सुनाई, जिसका तत्काल समाधान करने के निर्देश कारागार अधीक्षक को दिए गये। इसके बाद जेल अस्पताल में गए और वहां मौजूद चिकित्साकर्मियों से उपलब्ध दवाओं आदि के बारे में विस्तृत जानकारी ली। किचन में जाकर कैदियों को मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता को परखा। हवालात कार्यालय में जाकर अभिलेखों की जांच की। महिला और अल्पवयस्क बैरक में जाकर उनसे बातचीत कर आश्वस्त हुए कि उनकी कोई समस्या तो नहीं है। नियंत्रण कक्ष में जाकर संचालित सीसीटीवी कैमरे की निगरानी की व्यवस्था को देखा। जिलाधिकारी ने जेल अधीक्षक को निर्देश दिया कि जेल के अन्दर किसी भी दशा मे मोबाइल व अन्य उपकरण का प्रवेश न होने पाये इस हेतु रोस्टर बनाकर चेंकिग अभियान चलाकर चेक किया जाए इसके अतिरिक्त महिला बन्दीगृह मे दी जा रही सुविधाओ के बावत जानकारी ली गई।

यातायात पुलिस का बड़ा एक्शन : एन एच 44 पर 13 वाहन स्पीड रडार में पकड़े, 91 वाहनों का किया चालान

ललितपुर। यातायात पुलिस ने सड़क हादसों को रोकने और नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए सघन अभियान चेकिंग चलाया गया। इसके तहत स्पीड राडार से तेज रफ्तार वाहनों पर कार्रवाई की गई ।पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी यातायात राजेश श्रीवास्तव के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी यातायात आलोक कुमार तिवारी द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से एनएच-44 हाइवे पर स्पीड रडार गन से वाहनों के गति की जांच की गई और अनुमन्य गति सीमा से अधिक गति पाए जाने पर 13 वाहनों का एम. वी. एक्ट की सुसंगत धाराओं में चालान किया गया। बारिश के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए वाहन चालकों/परिचालकों को यातायात के नियमों के बारे में विस्तार से बताया गया जैसे-फाग लाइट का क्रियाशील होना और उचित प्रयोग, हाई बीम लो बीम का उचित प्रयोग, लेन ड्राइविंग, निर्धारित गति सीमा में ही वाहन चलाना, नशे की हालत में वाहन न चलाना, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करना, क्षमता से अधिक सवारी न बैठाना, बिना बीमा के वाहन न चलाना, माल वाहक वाहनों में सवारी आदि न बैठाने के लिए जागरूक किया गया। उक्त के अतिरिक्त यातायात पुलिस द्वारा शहर के प्रमुख चौराहों पर यातायात जागरूकता अभियान चलाया गया और प्रवर्तन की कार्यवाही के अंतर्गत 91 वाहनों का एम. वी. एक्ट की विभिन्न धाराओं में चालान किया गया।

गन्ना उत्पादन में गिरावट का मुख्य कारण मिट्टी में कार्बनिक पदार्थों की कमी : गन्ना अधिकारी

पीलीभीत। गन्ना समिति पीलीभीत के ग्राम वहनपुर, विकास खंड मरौरी का भ्रमण करते हुए जिला गन्ना अधिकारी खुशीराम भार्गव ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि जुलाई का महीना गन्ना फसल की बढ़वार के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है।

इस दौरान यदि मिट्टी में जरूरी पोषक तत्व उपलब्ध न हों तो उत्पादन में भारी गिरावट देखी जाती है ।निरीक्षण के दौरान ग्राम स्तर पर सट्टा प्रदर्शन का अवलोकन करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि गन्ने की बेहतर पैदावार के लिए 17 आवश्यक पोषक तत्वों की जरूरत होती है, जिनकी आपूर्ति तभी संभव है जब मिट्टी में पर्याप्त मात्रा में कार्बनिक पदार्थ मौजूद हों।

जिले में हाल ही में किए गए मृदा परीक्षण में पाया गया कि खेतों की मिट्टी में कार्बनिक तत्वों की मात्रा औसतन 0.12न तक रह गई है, जबकि यह मात्रा न्यूनतम 0.75 प्रतिशत होनी चाहिए।

गन्ना अधिकारी ने कहा कि यह गिरावट पशुपालन विशेषकर गाय पालन में कमी आने के कारण आई है। उन्होंने किसानों से अपील की कि दलहनी फसलों की खेती अपनाएं और गाय पालन को पुन: जीवन दें, जिससे देशी खाद, वर्मी कम्पोस्ट, जीवामृत आदि का प्रयोग करके मिट्टी की उर्वरता बहाल की जा सके ।इस मौके पर ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक राम भद्र द्विवेदी, गन्ना समिति सचिव प्रदीप अग्निहोत्री, एलएच चीनी मिल से संजीव राठी, गन्ना पर्यवेक्षक शीलेंद्र कुमार, सनोज कुमार, नारायण सिंह, जमुना प्रसाद, बालकराम, चंद्र प्रकाश समेत कई अन्य लोग उपस्थित रहे।

बरखेड़ा में डीजल चोरों की कार पलटी, दो पकड़े गए, तीन फरार

पीलीभीत। बरखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव नकटा मुरादाबाद के पास मंगलवार रात उस समय अफरा-तफरी मच गई जब संदिग्ध गतिविधियों को देख ग्रामीणों ने एक कार का पीछा किया। तेज रफ्तार से भागने की कोशिश में कार अनियंत्रित होकर नाले की रेलिंग से टकरा गई और पलट गई। ग्रामीणों ने मौके से दो युवकों को पकड़ लिया जबकि उनके तीन साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। पकड़े गए युवकों में एक घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के लिए ले जाया गया। ग्रामीणों ने दोनों युवकों की जमकर धुनाई कर दी और बाद में पुलिस के हवाले कर दिया ।घटना मंगलवार रात लगभग 11 बजे की है जब पीलीभीत-बीसलपुर हाईवे पर नकटा मुरादाबाद गांव के समीप ग्रामीण ड्रोन की दहशत के कारण रात्रि गश्त कर रहे थे। उसी दौरान एक संदिग्ध कार हाईवे पर कई बार चक्कर लगाते हुए दिखाई दी। शक होने पर ग्रामीणों ने कार को रोकने का प्रयास किया, लेकिन कार चालक ने रफ्तार बढ़ा दी। सामने भीड़ देखकर कार असंतुलित होकर नाले की रेलिंग से टकरा गई और पलट गई।

कार पलटते ही उसमें सवार पांचों युवक भागने लगे, लेकिन ग्रामीणों ने दौड़ाकर दो युवकों को पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान नीलेश निवासी नांद पसियापुर थाना जहानाबाद एवं मुनीश निवासी रड़ेता थाना बीसलपुर के रूप में हुई है। इनमें से एक युवक के सिर पर गंभीर चोट लगी है ।पुलिस जांच में कार से चार खाली प्लास्टिक की बड़ी केन और एक पाइप बरामद हुआ है। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे वाहन चालकों के डीजल टैंक से डीजल चुराते हैं।

बेनहर पब्लिक स्कूल में इंग्लिश क्लब द्वारा स्पेलिंग-बी प्रतियोगिता का आयोजन

पीलीभीत। बेनहर पब्लिक स्कूल में शैक्षिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 29 जुलाई को इंग्लिश क्लब की ओर से कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए स्पेलिंग-बी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा एक्टिविटी इंचार्ज रोशनी बग्गा ने इंग्लिश शिक्षकों के समन्वय से तैयार की ।प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को चार टीमों में विभाजित किया गया, जिनके नाम थें। जिसमें द प्रनंसीएशन प्रोज़, द वोकैब वॉयजर्स, द लैक्जिकन स्क्वैड्स,द स्पेल चेकर्स। क्विज मास्टर्स की भूमिका में शिक्षिका अनु अग्रवाल, संस्कृति कश्यप एवं शिक्षक अभिषेक मिश्रा ने कार्यक्रम को संचालन किया।

वहीं मुक्ता पांडे और सईदा अमन ने सहयोगी भूमिका निभाई ।प्रतियोगिता में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। निर्णायक मापदंडों के आधार पर द प्रनंसीएशन प्रोज़ टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिसमें काव्या गुप्ता, निहाल सिंह गंगवार, प्रियंका और अक्षत शामिल रहे। द स्पेल चेकर्स ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जिसमें मनसीरत कौर, केशव कुमार गंगवार, आयुष गुप्ता और रचित चंद्रा सम्मिलित थे।

वहीं तृतीय स्थान द वोकैब वॉयजर्स टीम को मिला, जिसमें श्रीमयी अग्रवाल, यावर अराफ़ात, सान्या पटेल और उत्कर्ष गुप्ता प्रतिभागी रहे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर प्रधानाचार्या करिश्मा सैहमी एवं हेडमिस्ट्रेस निर्मला शर्मा ने विजेता प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। साथ ही विद्यार्थियों को भाषा के प्रति रुचि बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय प्रांगण में आयोजित यह कार्यक्रम छात्रों के लिए सीखने और अपनी भाषा दक्षता बढ़ाने का एक प्रेरणादायक माध्यम सिद्ध हुआ।

28 साल की महिला सिपाही की हत्या

बाराबंकी। बाराबंकी में 28 साल की एक महिला सिपाही की हत्या कर दी गई। वर्दी में ही शव हाईवे किनारे झाड़ियों में पड़ा मिला। मर्डर के बाद उसके चेहरे को जलाया गया था। सिपाही 4 दिन से लापता थी। महिला सिपाही का नाम विमलेश पाल था। वह बाराबंकी के सुबेहा थाने में तैनात थी। सोमवार को महादेवा मंदिर में उसकी ड्यूटी लगी थी, लेकिन वह नहीं पहुंची। साथियों ने पता किया, लेकिन कुछ पता नहीं चला। बुधवार सुबह सबसे पहले भानू नाम के ग्रामीण ने शव को देखा। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने वर्दी पर लगी नेमप्लेट से शव की शिनाख्त की।

युवक व महिला मंगल दलों को मिली खेल सामग्री, पौधरोपण मिशन में निभाएंगे भूमिका

पीलीभीत। जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग के तत्वावधान में गांधी सभागार में आयोजित कार्यक्रम के तहत जिले के 17 युवक मंगल दल और 36 महिला मंगल दलों को खेल प्रोत्साहन सामग्री वितरित की गई। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने दलों की सामाजिक जिम्मेदारी और सहभागिता पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख ललौरीखेड़ा अजय सिंह गंगवार, जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह एवं मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र कुमार श्रीवास मौजूद रहे। वक्ताओं ने मंगल दलों से अपील की कि वे समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझें और पौधरोपण, जनजागरूकता और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाएं ।कार्यक्रम में प्रत्येक दल को एक-एक पौधा भी प्रदान किया गया, ताकि ग्रीन चैकपाल व पर्यावरण अभियान में भागीदारी को बल मिल सके। कार्यक्रम का संचालन हरिओम बाजपेई ने किया। युवा कल्याण प्रभारी अधिकारी अमित कुमार ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए जानकारी दी कि शेष चयनित दलों को विकासखंड सभागारों में सामग्री वितरण किया जाएगा ।कार्यक्रम में अन्नपूर्णा मिश्रा, छविराम सिंह, हेमंत कुमार, मोतीराम, लता कश्यप, महेंद्र कुमार, सागर बाबू, सुरेश कुमार सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

वाराणसी में तेज बारिश, प्रयागराज में गंगा-यमुना उफनाई

उत्तर प्रदेश। यूपी में नदियां और डैम उफान पर हैं। बुधवार को लखनऊ समेत 6 जिलों में तेज बारिश हुई। प्रयागराज में गंगा का जलस्तर तीसरी बार बढ़ने से बाढ़ के हालात बन गए हैं। करीब 2 लाख लोग बाढ़ से घिरे हुए हैं। छोटा बघाड़ा, दारागंज जैसे इलाकों में लोगों के घरों में पानी घुस गया है। जरूरत की चीजें (राशन, दूध) नाव से पहुंचाई जा रही हैं।

महाकुंभ में बनी 15 किमी लंबी रिवर फ्रंट सड़क डूब गई। तीसरी बार गंगा का पानी लेटे हनुमान मंदिर के गर्भगृह तक पहुंच गया है। दशाश्वमेध घाटनागवासुकी मंदिर का प्रवेश द्वार भी डूब गया। स्थिति को देखते हुए प्रशासन सतर्क हो गया है। 88 बाढ़ चौकियां और 4 राहत शिविर बनाए गए हैं।

इसके साथ ही NDRF-SDRF की टीमें राहत-बचाव कार्यों के लिए तैनात की गई हैं। नैनी में यमुना का 81.13 मीटर और फाफामऊ में गंगा का 81.30 मीटर जलस्तर पहुंच गया है, जो खतरे के निशान 84.734 मीटर के काफी करीब है। लखनऊ में सुबह से बादल छाए हुए थे। दोपहर में 2 बजे अचानक तेज बारिश शुरू हुई। करीब एक घंटे तक बारिश हुई। इधर, जालौन में यमुना और चंबल नदियों में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं।

शार्ट न्यूज

विद्युत स्पर्शाघात से मौत, परिवार में पसरा मातम

विशाल इण्डिया पूनम तिवारी

अंबेडकर नगर। जिले के महरुआ थाना क्षेत्र अंतर्गत सिमरी जैमालपुर गांव निवासी मुख्तार पुत्र स्वर्गीय मोहम्मद अली हसन उम्र लगभग 42 वर्ष जिसकी सोमवार की रात बिजली की चपेट में आ जाने से दर्दनाक मौत हो गई जानकारी के अनुसार मुख्तार रात में घर पर ही था कि अचानक उतरे हुए करंट की चपेट में आ जाने से जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई मौत की खबर सुनते ही गांव में मातम सा छा गया पोस्टमार्टम के बाद गांव में शव पहुंचते ही अंतिम दर्शन के लिए उमडा जन सैलाब वही पत्नी तथा दोनों पुत्र मोहम्मद अयान उम्र 12 वर्ष तथा मोहम्मद अमन उम्र 14 वर्ष का रो-रो कर बुरा हाल है घटना से वहां पहुंचे हुए सभी लोगों की आंखें नम हो गई क्योंकि मुख्तार के परिवार में पत्नी के सिवा बच्चों को देखने वाला कोई नहीं रह गया है।

कांस्यपदक प्राप्त कर बढ़ाया पुलिस का मान

विशाल इण्डिया पूनम तिवारी

अंबेडकर नगर। पुलिस अधीक्षक केशव कुमार तथा क्षेत्राधिकारी भीटी लक्ष्मीकांत मिश्रा द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन अम्बेडकरनगर में नियुक्त आरक्षी आशीष कुमार को उत्तर प्रदेश पुलिस वार्षिक खेल प्रतियोगिता द्वारा दिनांक 15.07.2025 से 18.07.2025 तक 34 वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी में आयोजित 50 वीं उत्तर प्रदेश पुलिस वार्षिक जुडो कलस्टर (जुडो,वुशु, ताइक्वाँडो,कराटे एवं पेंचक सिलाट) पुरुष खेल प्रतियोगिता 2025 के शोलो इवेंट में लखनऊ जोन की टीम की ओर से प्रतिभाग कर एवं द्वितीय स्थान हेतु सिल्वर मेडल व 65 – 70 किलोग्राम इवेंट में लखनऊ जोन की टीम की ओर से प्रतिभाग कर एवं तृतीय स्थान हेतु कांस्य पदक प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई दी गई तथा इनके उज्जवल भविष्य की कामना की और उम्मीद जताई कि वे इसी प्रकार आगे भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अम्बेडकरनगर पुलिस का नाम रोशन करते रहेंगे।

पुलिस ने पांच वारंटियों को किया गिरफ्तार

ललितपुर। गिरार पुलिस ने पांच वारंटियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह एंव क्षेत्राधिकारी मड़ावरा कृष्ण कुमार मिश्रा के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में वांछित/वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के अभियान के क्रम में थाना गिरार पुलिस द्वारा पांच वारण्टी अभियुक्तो को गिरफ्तार कर सम्बन्धित माननीय न्यायालय भेजे जा रहे हैं। गिरफ्तार करने वाली टीम उ.नि. त्रिपुरेश कुमार पाण्डेय उ. नि. कपूर सिंह हे.का. शरद कुमार का. राममिलन का. सुशील कुमार आदि शामिल रहे।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के दो दोषियों को 3-3 साल की सजा

ललितपुर। पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 लखनऊ के निर्देशन में, पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक द्वारा जनपद में चिन्हित अभियोगों में अपराधियों को शीघ्र अधिक से अधिक सजा दिलाये जाने हेतु प्रभावी पैरवी के लिये सम्बन्धित थाना प्रभारी व पैरोकारों को निर्देशित किया गया था ।इसी क्रम में अभियुक्तगण गोलू पुत्र नेतराम अहिरवार भगवानदास उर्फ रमन पुत्र कैलाश नि0गण ग्राम गुहारी थाना बालाबेहट जनपद ललितपुर के विरूद्ध थाना बालाबेहट पर मु0अ0सं0 36/2020 धारा 363/366 आईपीसी व 7/8 पाक्सो एक्ट का अभियोग पंजीकृत हुआ था, जिसमें डेडीकेटेड टीम गठित कर वैज्ञानिक व तथ्यपरक साक्ष्यों के आधार पर समयवद्ध व गुणवत्तापूर्ण विवेचना संपादित कर अभियुक्त के विरूद्ध आरोप पत्र माननीय न्यायालय प्रेषित किया गया था। पुलिस अधीक्षक ललितपुर द्वारा उपरोक्त प्रकरण की निरन्तर प्रभावी पैरवी करवायी गयी जिसमें थाना बालाबेहट पुलिस, कोर्ट पैरोकार व अभियोजन पक्ष के द्वारा अथक प्रयास एवं प्रभावी पैरवी करते हुए दिनांक 29.07.2025 को मा0 न्यायालय एडीजे पाक्सो द्वारा अभियुक्तगण गोलू व भगवानदास उपरोक्त को 03-03 वर्ष के कारावास व 03-03 हजार रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है ।

बरेली में पिंजरे में कैद हुआ तेंदुआ

बरेली। वन विभाग की टीम ने आखिरकार तेंदुआ पकड़ लिया है। पिछले एक महीने से गांव में तेंदुए का आतंक था। हालत ये थी कि ग्रामीण झुंड में ही गांव में हाथों में लाठी, डंडे और भाला लेकर निकलते थे। लेकिन अब जब तेंदुआ पकड़ लिया गया है, तब ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। बरेली के हाफिजगंज थाना क्षेत्र में बंद पड़ी खेतान फैक्ट्री में पिछले एक महीने से तेंदुए का आतंक था। तेंदुए को पकड़ने के लिए कई टीमें लगाई गई थीं। उसके लिए कई जाल और सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए थे। ताकि उसे पकड़ा जा सके। पहले तेंदुए को पकड़ने के लिए जाल में मीट रखा गया, लेकिन जब वो नहीं पकड़ा गया, तो एक बकरी भी बांधी गई। लेकिन तेंदुआ फिर भी पकड़ में नहीं आया। जिसके बाद आज जाकर वन विभाग की टीम को कामयाबी मिली। 26 जून को गांव फैजुल्लापुर के पास स्थित बंद खेतान फैक्ट्री में तेंदुए ने चौकीदार अजय कुमार पर हमला कर दिया था। जिसके बाद वो भागकर छत पर चढ़ गया और उसकी वीडियो बनाकर वन विभाग को सूचना दी। जिसके बाद से वन विभाग की टीम तेंदुए को पकड़ने का प्रयास कर रही थी।

पिटाई के डर से छठवीं के छात्र ने फांसी लगाई

कानपुर। कानपुर में क्लास-6 के स्टूडेंट ने फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। बच्चा दो माह पहले जन्मदिन पर बनवाई गई चांदी की चेन पहनकर स्कूल गया था, जिसे टीचर ने जब्त कर लिया। टीचर ने कहा- मां को बुलाकर लाओगे तब चेन दूंगी। घर में पिटाई के डर से छात्र ने घर आकर स्कूल यूनिफॉर्म में ही फंदा लगा लिया। इकलौते बेटे का शव देख मां बेसुध हो गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के समय टीचर मां अपने स्कूल गई थीं, जबकि पिता काम के सिलसिले में इटावा गए थे। खाना खाने के लिए दादी कमरे में बुलाने पहुंची तो बच्चा गेट के कुंडे से फंदा लगा कर लटका हुआ था। यह देख दादी चीख पड़ीं। परिजनों और पड़ोसियों को जानकारी दी। परिजन बच्चे को निजी अस्पताल के बाद हैलट ले गए। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मामला मंगलवार शाम गोविंदनगर थाना क्षेत्र के दादानगर कॉलोनी का है। पिता प्राइवेट नौकरी करते हैं। मां प्राइवेट स्कूल में टीचर हैं। पिता ने स्कूल के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है।

लखनऊ में 3 घंटे लिफ्ट में फंसे रहे 9 लोग

लखनऊ। लखनऊ के मुंशी पुलिया रिंग रोड स्थित कन्हैयालाल ज्वेलर्स बिल्डिंग की लिफ्ट मंगलवार रात में फंस गई। पैनोरमा रेस्टोरेंट के नौ कर्मचारी उसमें करीब तीन घंटे तक फंसे रहे। रेस्टोरेंट बंद करने के बाद कर्मचारी लिफ्ट से नीचे उतर रहे थे। भूतल पर पहुंचते ही लिफ्ट का गेट फंस गया। काफी कोशिशों के बावजूद दरवाजा नहीं खुला, तो फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। सूचना पर एफएसओ शत्रुघ्न कुमार टीम के साथ मौके पर पहुंचे। दमकल कर्मियों ने हाइड्रोलिक स्प्रेडर की मदद से लिफ्ट का गेट फैलाकर सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। लिफ्ट में राधे कृष्णा, अरुण, शिवम, विपिन, आकाश, सौरभ समेत कुल नौ लोग फंसे थे। सभी रात में करीब 12 बजे लिफ्ट से नीचे जा रहे थे। इस दौरान वह फंस गई। सुबह करीब तीन बजे फायर ब्रिगेड को इसकी सूचना दी गई। रेस्टोरेंट संचालक राजाजीपुरम निवासी रजत द्विवेदी ने बताया कि लिफ्ट अकसर फंस जाती है, लेकिन इतनी देर तक कभी बंद नहीं हुई थी। घटना के बाद से रेस्टोरेंट नहीं खुला है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तानः धमाके से जाफर एक्सप्रेस के तीन डिब्बे पटरी से उतरे, एक घायल

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में सोमवार को एक धमाके की वजह से जाफर एक्सप्रेस ट्रेन के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। यह ट्रेन क्वेटा जा रही थी और हादसे में एक व्यक्ति घायल हुआ है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि बारिश के कारण पटरी की मरम्मत में करीब पांच घंटे और लग सकते हैं। सिंध प्रशासन ने इस घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। सुक्कुर रेलवे के एक अधिकारी, जमशेद आलम ने बताया कि यह ट्रेन पेशावर से क्वेटा जा रही थी और शिकारपुर के पास धमाका हो गया। इसके बाद सुक्कुर से राहत और बचाव दल भेजे गए। आलम ने कहा कि धमाके के बाद ट्रेन की आवाजाही रोक दी गई है। उन्होंने यह भी बताया कि डिब्बों के पटरी से उतरने के कारण यात्रियों को काफी परेशानी हुई।

रोमानिया में आई बाढ़ से 3 लोगों की मौत, कई लोगों को घर छोड़ना पड़ा

बुखारेस्ट , एजेंसी। रोमानिया के उत्तर-पूर्वी इलाके में भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़ आ गई। इस बाढ़ में कम से कम तीन लोगों की जान चली गई और सैकड़ों लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े। बचाव दल सबसे ज्यादा प्रभावित नीम्ट और सुसेवा इलाकों में लोगों की मदद कर रहे हैं। हेलीकॉप्टर और फायर ब्रिगेड की मदद से कई लोगों को बचाया गया। कुछ लोग अपने घरों में पानी भर जाने की वजह से फंस गए थे। सिर्फ नीम्ट इलाके से ही 890 लोग निकाले गए। आपातकालीन विभाग के अनुसार, 66 साल के एक बुजुर्ग का शव एक नाले के पास मिला। इसके अलावा, दो महिलाएं जो लापता थीं, बाद में मृत मिलीं। अधिकारियों ने बाढ़ के कारण फैले कीचड़, बहे हुए वाहन, मलबे और टूटे हुए घरों की तस्वीरें भी साझा की हैं।

कराची में चीनियों के हमलावर आतंकी मारे गए

कराची, एजेंसी। पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने पिछली रात तीन संदिग्ध आतंकियों को मार गिराया। इन पर गत वर्ष कराची में चीनी नागरिकों पर हमले की साजिश रचने का आरोप रहा है। उस वक्त आतंकी हमले में एक कपड़ा मिल में काम कर रहे दो चीनी नागरिक घायल हो गए थे। इन आतंकियों में नवंबर 2024 के हमले का कथित मास्टरमाइंड जाफरान भी शामिल है, जो पाकिस्तानी तालिबान (टीटीपी) से जुड़ा था। चीनी नागरिक यहां टीटीपी व अलगाववादी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी समेत कई आतंकी गुटों के हमलों का शिकार हो रहे हैं।

कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति उरीबे रिश्वतखोरी के मुकदमे में दोषी करार

बोगोटा, एजेंसी। कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति अल्वारो उरीबे को सोमवार को गवाहों से छेड़छाड़ और रिश्वत देने के मामले में दोषी करार दिया गया। यह देश के लिए एक ऐतिहासिक मुकदमा था, क्योंकि उरीबे को पहले एक मजबूत और सख्त नेता के रूप में जाना जाता था। यह फैसला राजधानी बोगोटा की एक अदालत ने दिया। मुकदमा करीब छह महीने तक चला, जिसमें यह साबित करने के लिए सबूत पेश किए गए कि उरीबे ने ऐसे गवाहों को प्रभावित करने की कोशिश की, जिन्होंने उन पर यह आरोप लगाया था कि उनका 1990 के दशक में एक खतरनाक अर्धसैनिक समूह से संबंध था। यह समूह कथित तौर पर पशुपालकों द्वारा बनाया गया था। जज सैंड्रा हेरेडिया ने अपने 10 घंटे लंबे फैसले में कहा कि उरीबे ने एक वकील के साथ मिलकर जेल में बंद तीन अर्धसैनिक गुटों के सदस्यों को गवाही बदलने के लिए उकसाया। ये गवाह पहले वामपंथी सीनेटर इवान सेपेडा को बयान दे चुके थे, जिन्होंने उरीबे के इन कथित संबंधों की जांच शुरू की थी।

इमरान खान की पार्टी ने शहरों में सेना तैनात करने के फैसले का विरोध किया

इस्लामाबाद, एजेंसी। इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ की खैबर पख्तूनख्वा इकाई ने सोमवार को पेशावर और दूसरे शहरों में सेना तैनात करने के संघीय सरकार के फैसले का विरोध किया है। पीटीआई इस समय खैबर पख्तूनख्वा की प्रांतीय विधानसभा में सत्ता में है। पार्टी के नेताओं ने एक बैठक में कहा कि सरकार का यह कदम गलत है और इसका मकसद लोगों की आजादी को छीनना और राजनीतिक विरोध को दबाना है। बैठक में पास किए गए प्रस्ताव में कहा गया कि इस फैसले का कोई कानूनी, सांविधानिक या नैतिक आधार नहीं है और यह विपक्ष की आवाज को दबाने की कोशिश है। पीटीआई ने इस फैसले को अदालत में चुनौती देने की बात कही और पेशावर हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से तुरंत ध्यान देने की अपील की है।

आइवरी कोस्ट में बस दुर्घटना में 16 लोगों की मौत

आइवरी कोस्ट, एजेंसी। पश्चिम अफ्रीका के दक्षिणी तट पर स्थित देश आइवरी कोस्ट में लंबी दूरी की बस और डंपर ट्रक के बीच टक्कर हो गई। इस हादसे में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई और 50 से अधिक घायल हो गए। परिवहन मंत्रालय ने यह जानकारी दी। वहां के परिवहन मंत्रालय ने बताया कि बस दक्षिण-पश्चिमी आइवरी कोस्ट के शहर सैन पेड्रो से पड़ोसी देश बुर्किन फासो जा रही थी।

चीन में भीषण बाढ़ से तबाही, 34 लोगों की मौत, सुरक्षित ठिकानों पर पहुंचाए गए 80 हजार

बीजिंग, एजेंसी। इन दिनों चीन भीषण बाढ़ की तबाही से जूझ रहा है। यहां पर भारी बारिश और बाढ़ के चलते 34 लोगों की मौत हो चुकी है। चीन की राजधानी बीजिंग में लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ा है। सरकारी प्रसारक सीसीटीवी ने बताया कि सोमवार आधी रात तक बीजिंग के बुरी तरह प्रभावित मियुन जिले में 28 और यानकिंग जिले में दो लोगों की मौत होने की सूचना मिली है। इलाके में रात भर भारी बारिश हुई। जानकारी के मुताबिक अनुसार, बीजिंग में 80,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है, जिनमें मियुन के लगभग 17,000 लोग शामिल हैं।

भूस्खलन में भी गई जान : इससे पहले सोमवार को जारी खबरों के अनुसार, पड़ोसी हेबेई प्रांत में हुए भूस्खलन में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ अन्य अब भी लापता हैं। यह भूस्खलन हेबेई की लुआनपिंग काउंटी के एक ग्रामीण इलाके में हुआ था। एक स्थानीय निवासी ने सरकारी समाचार पत्र 'बीजिंग न्यूज' को बताया कि संचार व्यवस्था ठप हो गई है और वह अपने रिश्तेदारों से संपर्क नहीं कर पा रहा। चीन के जल संसाधन मंत्रालय के अनुसार, अधिकारियों ने मियुन जिले में एक जलाशय से पानी छोड़ा है। यह जलाशय 1959 में इसके निर्माण के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर है।

पानी छोड़ने पर घिरे अधिकारी : इसके अलावा अन्य उत्तरी चीनी क्षेत्रों में भी बारिश के चलते मौतें हुई हैं। इनमें, शांक्सी प्रांत भी शामिल है, जहां एक पूरी बस ही गायब हो गई। वहीं, अधिकारियों द्वारा बाढ़ का पानी छोड़ देने के चलते हेबेई प्रांत में भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। यहां के लोगों का कहना है कि उन्हें समय रहते चेतावनी नहीं दी गई। गौरतलब है कि 2012 में आई बाढ़ में बीजिंग और हेबेई में 145 लोगों की जान चली गई थी।

बीजिंग में हाई अलर्ट, स्कूल और निर्माण कार्य बंद : बीजिंग प्रशासन ने सोमवार रात 8 बजे टॉप लेवल इमरजेंसी रिस्पॉन्स जारी किया। इसके तहत सभी स्कूलों को बंद कर दिया गया है। निर्माण कार्य और बाहरी गतिविधियों पर भी रोक लगा दी गई है। चीन सरकार ने हपेई प्रांत को 50 मिलियन युआन की इमरजेंसी सहायता भेजी है। साथ ही चेंगदे, बाओडिंग और झांगजियाकौ जैसे प्रभावित शहरों में राहत कार्यों के लिए केंद्रीय टीमें रवाना की गई हैं। इससे पहले प्रशासन ने मियुन जिले के एक प्रमुख जलाशय से पानी छोड़ने का फैसला किया। यह 1959 में बना था। तब से पहली बार इसका जलस्तर सबसे ज्यादा हो गया था। शी जिनपिंग ने पूरी ताकत से बचाव अभियान का आदेश दिया चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बाढ़ में लापता लोगों की तलाश और बचाव पूरी ताकत से करने को कहा है। राष्ट्रपति शी ने कहा, जो लोग लापता हैं या फंसे हुए हैं, उन्हें बचाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाए। प्रभावित इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए और जानमाल के नुकसान को कम से कम करने के हरसंभव प्रयास किए जाएं। 2 साल पहले भी बीजिंग और हपेई में बाढ़ आई थी 2023 में भी इसी सीजन में बीजिंग और हपेई में भारी बाढ़ आई थी। दर्जनों लोगों की जान गई और हजारों विस्थापित हुए। इसके अलावा 2021 में हेनान प्रांत में बाढ़ आई थी। रिकॉर्ड बारिश से मेट्रो स्टेशन और शहर की सड़कों में पानी भर गया। 300 से अधिक लोगों की मौत हुई। चीन में अब तक की सबसे खतरनाक बाढ़ 1931 में आई थी। यह अब तक की सबसे घातक बाढ़ मानी जाती है। अनुमान के मुताबिक इसमें 20 से 25 लाख लोगों की जान गई थी। बीजिंग और हपेई में बाढ़ क्यों आती है? बीजिंग उत्तर चीन का हिस्सा है। यहां आमतौर पर बारिश कम कम होती है। लेकिन जुलाई-अगस्त में जब ईस्ट एशियन मानसून सक्रिय होता है, तब यहां अचानक भारी बारिश होती है। बीजिंग के आसपास की जमीन पथरीली और ऊंची-नीची है। पानी तेजी से नीचे बहता है, जिससे फ्लैश फ्लड यानी अचानक बाढ़ की स्थिति बनती है। मिट्टी की नमी कम होने से बारिश सीधे सतह पर बहती है, जिससे नदियों का जलस्तर अचानक बढ़ जाता है।

अमेरिका के मैनहटन में ऑफिस बिल्डिंग के बाहर गोलीबारी, पुलिस अफसर समेत 5 की मौत

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के मिडटाउन मैनहटन में सोमवार शाम एक ऑफिस बिल्डिंग में हुई गोलीबारी की घटना में कम से कम 5 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक ऑफ-ड्यूटी न्यूयॉर्क पुलिस अधिकारी भी शामिल है।

हमले के मुख्य संदिग्ध की पहचान नेवादा के शेन तमुरा के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, उसने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से लास वेगास का कन्सील्ड कैरी परमिट भी बरामद हुआ है। शूटिंग शाम 6:30 बजे पार्क एवेन्यू की एक हाई-प्रोफाइल बिल्डिंग में हुई, जिसमें अमेरिका की बड़ी फाइनेंशियल कंपनियों और एनएफएल के ऑफिस स्थित हैं।

दूसरी मंजिल पर एक प्रेजेंटेशन देख रहीं जेसिका चेन ने एबीसी न्यूज़ को बताया कि उन्होंने पहली मंजिल से लगातार कई गोलियों की आवाजें सुनीं। वहां मौजूद लोगों ने कॉन्फ्रेंस रूम की टेबलों से दरवाजा ब्लॉक किया और जान बचाने की कोशिश की। न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने बताया कि कई लोग घायल हुए हैं और पुलिस अभी भी बिल्डिंग में फ्लोर-दर-फ्लोर तलाशी अभियान चला रही है। उन्होंने लोगों से कहा कि वे बिल्डिंग में ही रहें और पुलिस का सहयोग करें।

ऑस्ट्रेलिया के मैक्केरी द्वीप पर 6.7 तीव्रता का भूकंप, 10 किमी की गहराई में केंद्र था

मैक्केरी द्वीप, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के मैक्केरी द्वीप क्षेत्र में मंगलवार सुबह 6.7 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप दर्ज किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में था. तीन दिन पहले, 26 जुलाई को भी 6.2 तीव्रता का भूकंप इसी क्षेत्र में आया था, जिसकी गहराई भी 10 किमी थी। मैक्केरी द्वीप क्षेत्र पैसिफिक और ऑस्ट्रेलियन प्लेट्स की लाइन ऑफ कॉन्टैक्ट पर बसा है। इस वजह से यहां पर सतही भूकंप ज्यादा आते हैं। इनसे धरती की सतह पर ज्यादा कंपन और क्षति होती है।

पिछले 100 सालों में मैक्केरी रिज पर आए बड़े भूकंप ने दो गंभीर सिस्मिक गैप उजागर किए हैं। एक गैप सीधे मैक्केरी द्वीप के नीचे है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर इस गैप को भरने वाला कोई 7 या उससे अधिक तीव्रता का भूकंप आता है, तो बड़े पैमाने पर भूस्खलन, बिजली और पानी की आपूर्ति ठप को भारी नुकसान हो सकता है।

एक बच्चे पर 500 डॉलर, घटती आबादी से परेशान चीन, जनसंख्या बढ़ाने के लिए निकाला ये उपाय

बीजिंग, एजेंसी। चीन में इन दिनों नई मुसीबत ने दस्तक दे दी है। दुनिया में दूसरे सबसे ज्यादा आबादी वाले देश चीन में आबादी तेजी से घट रही है और इससे जुड़े आंकड़ों ने सरकार की नींदें उड़ा रखी हैं। इससे निपटने के लिए चीन कई उपाय कर रहा है। हाल ही में चीन की सरकार ने जनसंख्या की गति को पटरी पर लाने के लिए नई तरकीब निकाली है। इसके तहत चीन लोगों को बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए नकद रुपए देगा।

चीन की सरकारी मीडिया ने सोमवार को कहा है कि देश में जनसांख्यिकीय संकट गहराने के बीच, सरकार तीन साल से कम उम्र के हर बच्चे के माता-पिता को हर साल 500 अमेरिकी डॉलर की सब्सिडी देगी। चीन के सरकारी चैनल सीसीटीवी ने चीन की कैबिनेट के एक फैसले का हवाला देते हुए बताया है कि ये सब्सिडी पूरे देश में 1 जनवरी से लागू होंगी। चैनल ने बताया, यह एक राष्ट्रव्यापी नीति है जिसका उद्देश्य जन कल्याण में सुधार लाना है। बयान में आगे बताया गया, इसके तहत देश भर के परिवारों को सीधे कैश सब्सिडी दी जाएगी जिससे बच्चों के पालन-पोषण का बोझ कम करने में मदद मिलेगी।

डराने वाले आंकड़ें : आंकड़ों की बात करें तो पिछले साल चीन में महज 95.4 लाख बच्चे पैदा हुए। यह संख्या इसीलिए चौंकाने वाले हैं क्योंकि यह 2016 में पैदा हुए बच्चों के मुकाबले आधी संख्या है। चीन में पिछले तीन दशकों से वन चाइल्ड पॉलिसी लागू थी, जिसके तहत किसी भी शादीशुदा कपल को एक से ज्यादा बच्चा पैदा करने की अनुमति नहीं थी। चीन ने आबादी को घटता हुआ देखकर इस पॉलिसी को हटा दिया है।

एक अन्य अनुमान के मुताबिक देश की जनसंख्या लगातार तीन सालों से घट रही है। संयुक्त राष्ट्र के जनसांख्यिकीय मॉडल के मुताबिक 2100 तक देश की आबादी यह मौजूदा 1.4 अरब से घटकर महज 80 करोड़ रह जाएगी। वहीं देश में बूढ़ों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। 2024 के आंकड़ों के मुताबिक चीन में 60 साल या उससे अधिक उम्र के लगभग 310 मिलियन से भी ज्यादा लोग लोग हैं, जो दुनिया में सबसे अधिक है।

हमास ने युद्धविराम समझौता ठुकराया तो गाजा पर फिर से करेंगे कब्जा, बेंजामिन नेतन्याहू की चेतावनी

गाजा, एजेंसी। इजरायल ने हमास को युद्धविराम समझौते को लेकर कड़ी चेतावनी दी है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने प्रस्ताव दिया कि अगर हमास फिर से युद्धविराम समझौते को ठुकराता है तो इजरायल गाजा के कुछ हिस्सों को अपने कब्जे में लेना शुरू कर देगा। रिपोर्ट के अनुसार, अगर हमास ने गाजा युद्धविराम और बंधक रिहाई समझौते के प्रयास को फिर से अस्वीकार किया तो इजरायल गाजा पट्टी के कुछ हिस्सों को अपने कब्जे में लेने लगेगा। इस तरह, जेरूसलम इस बातचीत के लिए एक और मौका देने जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कुछ मंत्रियों के साथ बैठक में यह प्रस्ताव रखा, जिन्होंने कब्जे वाले क्षेत्रों के प्रशासन के लिए विशेष इकाई स्थापित करने का फैसला किया। मालूम हो कि इजरायली सेना ने रविवार को गाजा के तीन घनी आबादी वाले क्षेत्रों में प्रतिदिन 10 घंटे के लिए लड़ाई रोकने की शुरुआत की। यह कदम इस क्षेत्र में बढ़ती भुखमरी की चिंताओं मद्देनजर उठाया गया। इजरायल 21 महीने से चल रहे युद्ध में अपने आचरण की

वजह से अंतरराष्ट्रीय आलोचना का सामना कर रहा है।

फिलहाल मानवीय सहायता पहुंचाई जा रही : इजरायली सेना ने कहा कि वह बड़ी आबादी वाले गाजा सिटी, दीर अल-बलाह और मुवासी में सीमित समय के लिए युद्ध रोकेगी, ताकि मानवीय सहायता का दायरा बढ़ाया जा सके। यह रोक रविवार से शुरू होकर अगली सूचना तक स्थानीय समयानुसार हर दिर सुबह 10:00 बजे से रात 8:00 बजे तक रहेगी। सेना के मुताबिक, वह सहायता पहुंचाने के लिए सुरक्षित मार्ग बनाएगी। पहले ही गाजा में हवाई मार्ग से सहायता पहुंचाया है, जिसमें आटा, चीनी और डिब्बाबंद खाद्य सामग्री शामिल है। खाद्य विशेषज्ञ महीनों से गाजा में भुखमरी के खतरे की चेतावनी दे रहे हैं क्योंकि इजरायल ने सहायता पर रोक लगा दी थी।

यूएस सिंगर सियारा बेनिन की नागरिकता पाने वाली पहली महिला : वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम अफ्रीकी देश बेनिन ने गुलाम लोगों के वंशजों को नागरिकता प्रदान करने वाला एक कानून पारित किया है। इस कानून के लागू होने के बाद अमेरिकी सिंगर सियारा बेनिन की नागरिकता पाने वाली पहली महिला बन गई हैं। कोटोनौ शहर में शनिवार को एक समारोह आयोजित किया गया, जहां ग्रैमी पुरस्कार विजेता सियारा को नागरिकता दी गई। यह पहल अफ्रीकी मूल के लोगों को आकर्षित करने, दास व्यापार में देश की भूमिका को स्वीकार करने और इससे जुड़े पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए की गई है। न्याय मंत्री यवोन डेत्चेनौ ने समारोह में कहा, अफ्रीका के इन बच्चों को कानूनी मान्यता देकर, बेनिन एक ऐतिहासिक घाव भर रहा है।

ताइवान के राष्ट्रपति ने 4 देशों की यात्राएं टाली, दावा- चीन के दबाव में ट्रम्प ने इजाजत नहीं दी

ताइपे, एजेंसी। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने अपनी एक विदेशी यात्रा को फिलहाल टालने का फैसला किया है। यह यात्रा काफी संवेदनशील माना जा रही थी लेकिन ऐसा दावा किया जा रहा है कि चीन के दबाव में ट्रम्प ने ताइवान के राष्ट्रपति को कई अमेरिकी देशों की यात्रा करने की अनुमति नहीं दी। फाइनेंशियल टाइम्स के मुताबिक ताइवान के राष्ट्रपति अगस्त में ग्वाटेमाला, पराग्वे और बेलीज की यात्रा करने वाले थे। ये तीनों देश ताइवान को मान्यता देते हैं। ताइवान ने इस यात्रा से जुड़ी डिटेल ट्रम्प प्रशासन को भेजी थी। इसमें उनकी योजना अमेरिका में रूकने की भी थी। रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प चीन के साथ ट्रेड डील को लेकर बातचीत कर रहे हैं। ऐसे में अगर ताइवान का कोई टॉप नेता अमेरिका की यात्रा करता तो इससे चीन नाराज हो सकता था। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि ताइवान इस दावे को खारिज करता है। ताइवान राष्ट्रपति की इस यात्रा की कभी पुष्टि नहीं हुई लेकिन सूत्रों के मुताबिक इस पर अमेरिका, ताइवान और इससे जुड़े देशों के बीच चर्चाएं जरूर हुई थीं। व्हाइट हाउस, चीन और न ही ताइवान से जुड़े अधिकारियों ने अब तक इस पर कोई टिप्पणी की है। मामले की सीधी जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने कहा कि यात्रा पूरी तरह से रद्द नहीं हुई है, बल्कि इसके लिए अब तैयारियां

साल के आखिर में की जाएंगी। लंदन में चाकूबाजी, दो लोगों की मौत लंदन, एजेंसी। लंदन के एक व्यवसायिक प्रतिष्ठान में सोमवार (स्थानीय समयानुसार) को चाकूबाजी की घटना में दो लोगों की मौत हो गई। जबकि, दो अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें एक संदिग्ध भी शामिल है, जिसकी हालत गंभीर है। पुलिस ने बताया कि यह घटना लंदन के साउथवार्क इलाके में हुई। वहां 58 साल के एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 27 साल के एक अन्य व्यक्ति की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जांच अधिकारी एम्मा बॉन्ड ने कहा कि यह हमला आतंकवादी घटना नहीं है। 30 साल के एक व्यक्ति को इस मामले में गिरफ्तार किया गया है, लेकिन वह खुद भी गंभीर रूप से घायल है और अस्पताल में भर्ती है। एक और घायल व्यक्ति अस्पताल में है और उसके ठीक होने की उम्मीद है।

ट्रम्प ने लंदन के मेयर को घिनौना इंसान बतायाः कहा- उन्होंने बहुत खराब काम किया है

टर्नबेरी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर लंदन के मेयर सादिक खान पर हमला बोला है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ स्कॉटलैंड में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रम्प ने खान को नैस्टी पर्सन यानी घिनौना इंसान कह दिया और उनके कामकाज की आलोचना की। एक रिपोर्टर ने ट्रम्प से पूछा कि क्या वे सितंबर में अपनी राजकीय यात्रा के दौरान लंदन आएंगे, तो उन्होंने कहा मैं आपके मेयर का फैन नहीं हूं। मुझे लगता है उन्होंने बहुत खराब काम किया है। उनके इस बयान पर ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने तुरंत कहा कि वो (सादिक खान) मेरे दोस्त हैं। हालांकि ट्रम्प अपने बयान पर अड़े रहे और दोबारा दोहराया कि उन्होंने बहुत ही खराब काम किया है। लेकिन मैं निश्चित रूप से लंदन आऊंगा। ट्रम्प और सादिक खान के रिश्ते पहले से तल्ख यह पहली बार नहीं है जब ट्रम्प ने सादिक खान पर हमला किया है। 2019 में भी उन्होंने खान को नाकाम इंसान कहा था और उन्हें सलाह दी थी कि वह लंदन में अपराध पर ध्यान दें। तब भी ट्रम्प ब्रिटेन की राजकीय यात्रा पर थे और लंदन आने से ठीक पहले ही उन्होंने ट्विटर पर खान को निशाने पर लिया था। ट्रम्प पहले खान को ढ्ढक्त टेस्ट की चुनौती भी दे चुके हैं और 2017 के लंदन ब्रिज हमले के बाद उनकी प्रतिक्रिया की आलोचना भी कर चुके हैं। ट्रम्प ने अपने पिछले कार्यकाल में खान पर आतंकवाद से निपटने में नाकाम रहने का आरोप लगाया था और उन्हें स्टोन कोल्ड लूजर (बिल्कुल नाकाम इंसान) और बहुत मूर्ख कहा था। सादिक खान के प्रवक्ता ने ट्रम्प को जवाब दिया ट्रम्प के बयान पर खान के प्रवक्ता का

पलटवार किया है। सोमवार शाम को सादिक खान के प्रवक्ता ने बयान जारी कर कहा, मेयर को खुशी है कि ट्रम्प दुनिया के सबसे महान शहर में आना चाहते हैं। अगर वे लंदन आएंगे तो देखेंगे कि हमारी विविधता हमें कमजोर नहीं, बल्कि और मजबूत बनाती है। गरीब नहीं, बल्कि अमीर बनाती है। 5 नवंबर 2024 के चुनाव से पहले एक पॉडकास्ट में सादिक खान ने कहा था कि ट्रम्प उन्हें उनके धर्म और नस्ल के चलते निशाना बना रहे हैं। खान ने कहा था, उन्होंने मुझे मेरे रंग और धर्म की वजह से निशाना बनाया है। हालांकि, दिसंबर 2024 में एएफपी को दिए इंटरव्यू में खान ने कहा था कि अमेरिकी जनता ने स्पष्ट संदेश दिया है और अब सभी को चुनाव के नतीजों का सम्मान करना चाहिए। लंदन के पहले मुस्लिम मेयर सादिक खान 1970 में जन्मे सादिक खान लंदन के पहले मुस्लिम मेयर है। वे मूल रूप से पाकिस्तानी है। उनके पिता पाकिस्तान में ड्राइवर का काम करते थे। वे कुछ समय बाद इंग्लैंड आ गए। 24 साल की उम्र तक उन्होंने बेहद गरीब हालात में जिंदगी जी। पिता रेड बस चलाते थे। लेकिन पॉलिटिक्स में शुरुआत से ही उनकी रुचि थी। 15 साल की उम्र में वे लेबर पार्टी से जुड़ गए थे। करियर की शुरुआत ह्यूमन राइट एक्टिविस्ट के रूप में की। 2005 में वे पहली बार लेबर पार्टी से सांसद बने। 2016 में उन्होंने पहली बार लंदन के मेयर पद का चुनाव लड़ा और बड़े अंतर से जीते। सादिक खान को मोदी विरोधी कहा जाता है।

बुमराह की अनुपस्थिति में सीरीज में बराबरी करने उतरेगी टीम इंडिया

लंदन (एजेंसी)। भारतीय टीम चौथा टेस्ट साहसिक ढंग से ड्रा कराने के बाद नए उत्साह से इंग्लैंड के खिलाफ गुरूवार से शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट में सीरीज बराबर करने के लक्ष्य के साथ उतरेगी। हालांकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अंतिम टेस्ट मैच में नहीं खेलेंगे। भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज में 1-2 से पीछे है।

भारत और इंग्लैंड की टीमें गुरूवार को जब ओवल के मैदान पर उतरेंगी, तो बहुत कुछ दांव पर होगा। जहां पिछले मैच की ड्रॉ से उत्साहित भारतीय टीम इस मैच को जीतकर सीरीज ड्रॉ कराने के लिए उतरेगी, वहीं इंग्लैंड की टीम इस मुकाबले को अपना बनाकर सीरीज को भी अपना बनाना चाहेगी। लॉर्ड्स और मैनचेस्टर टेस्ट का अंत बहुत नाटकीय ढंग से हुआ था और जिस तरह से ओवल में अभ्यास सत्र की शुरूआत हुई है, उससे इस मैच के भी बेहद ही रोचक होने की संभावना है।

मैनचेस्टर और ओवल टेस्ट के बीच सिर्फ तीन दिन का अंतर है, इसलिए वकर्लोड मैनेजमेंट के कारण भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इस मैच में नहीं खेलेंगे और मोहम्मद सिराज तेज गेंदबाजी आक्रमण की शुरूआत करेंगे। चूंकि पिछले मुकाबले में डेब्यू करते हुए अंशुल कम्बोज प्रभावित नहीं कर पाए थे, इसलिए उनकी जगह आकाशदीप ले सकते हैं, जो कि जांघ की चोट से वापस आ रहे हैं।

बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने बुमराह को बताया है कि यह फैसला उनकी पीठ की सुरक्षा और दीर्घकालिक भविष्य को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। यह पूरी तरह से आश्चर्यजनक नहीं है, क्योंकि मेडिकल टीम ने बुमराह, भारतीय टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं के साथ मिलकर यह फैसला किया था कि वह इंग्लैंड दौरे के दौरान पांच में से केवल तीन टेस्ट मैच ही खेलेंगे। बुमराह हेडिंग्ले में पहले टेस्ट में खेले, एजबेस्टन में दूसरे टेस्ट में बाहर बैठे, जिसे भारत ने जीता, और उसके बाद लॉर्ड्स और पिछले हफ्ते ओल्ड ट्रैफर्ड में हुए अगले दो टेस्ट में खेले।

ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे दिन की सुबह से बुमराह ने कोई गेंदबाजी नहीं की थी और साथ ही आखिरी दो टेस्ट मैचों के बीच तीन दिन का ब्रेक भी है, ऐसे में भारत अपनी मूल योजना में बदलाव करने पर विचार कर सकता है, खासकर ओवल में जीत के साथ सीरीज 2-2 से बराबर करने की संभावना को देखते हुए।

उन्होंने 33 ओवरों में दो विकेट लिए, जो एक पारी में उनके द्वारा फेंके गए सर्वाधिक ओवर थे, और पहली बार उनके रनों का आंकड़ा 100 के पार पहुंचा। जैसे-जैसे सीरीज आगे बढ़ी, प्रत्येक टेस्ट की पहली पारी में 140 किमी प्रति घंटे से ज्यादा की रफ्तार से गेंदें फेंकने की संख्या भी हेडिंग्ले में 42.7 से घटकर लॉर्ड्स में 22.3 और ओल्ड ट्रैफर्ड में 0.5 हो गई।

बुमराह वर्तमान में सीरीज में 14 विकेट लेकर मोहम्मद सिराज के साथ संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। मैनचेस्टर में ड्रॉ के बाद भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा था कि बुमराह अंतिम टेस्ट के लिए उपलब्ध हैं, लेकिन दो दिन बाद भारत ने उन्हें आराम देने का फैसला किया। बुमराह की जगह कौन लेगा, यह मंगलवार को भारत के वैकल्पिक प्रशिक्षण सत्र में स्पष्ट हो गया।

कमर में दर्द के कारण चौथे टेस्ट से बाहर रहे आकाश दीप ने हरी-भरी अभ्यास पिचों पर गेंद को अच्छी तरह से सीम करते हुए आसानी से अपनी लय पकड़ ली। एजबेस्टन में दूसरे टेस्ट में, जो दिसंबर में मेलबर्न के बाद उनका पहला टेस्ट था, आकाशदीप ने मैच में दस विकेट लिए, जिसमें इंग्लैंड की दूसरी पारी में करियर का सर्वश्रेष्ठ 99 रन देकर 6 विकेट लेना भी शामिल है, जिसमें उन्होंने एक हल्की पिच से मूवमेंट हासिल किया। हालांकि, लॉर्ड्स में अगले टेस्ट में, आकाश

को निरंतरता बनाए रखने में दिक्कत हुई, खासकर पवेलियन एंड से ढलान पर गेंदबाजी करते हुए।

उन्होंने टेस्ट में सिर्फ एक विकेट लिया, लेकिन द ओवल की तेज गेंदबाजों के अनुकूल परिस्थितियां आकाश को जल्दी वापसी करने में मदद कर सकती हैं। फिर भी, गिल और गंभीर को गेंदबाजी आक्रमण में सही संतुलन बनाने की चुनौती का सामना करना होगा। यह चुनौती मुख्य रूप से तीन अन्य तेज गेंदबाजों, प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दुल ठाकुर और अंशुल कंबोज, के निराशाजनक प्रदर्शन के कारण है, जिन्होंने अब तक श्रृंखला में हिस्सा लिया है।

प्रसिद्ध दूसरे टेस्ट में जीत के बाद से नहीं खेले हैं, जबकि ठाकुर और कंबोज को ओल्ड ट्रैफर्ड में अपने पहले स्पैल के बाद बमुश्किल ही गेंदबाजी करने का मौका मिला। बुमराह की अनुपस्थिति में, सभी टेस्ट खेलने वाले एकमात्र तेज गेंदबाज, सिराज, एक बार फिर तेज गेंदबाजी की अगुवाई करेंगे। सिराज ने इस श्रृंखला में तेज गेंदबाजों में चौथे सबसे अधिक ओवर - 139 - फेंके हैं, लेकिन उन्होंने अपनी तीव्रता कम नहीं होने दी है। भारत उनके कार्यभार और फिटनेस को लेकर चिंतित होगा, लेकिन उनके पास सिराज को खिलाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। फिर भी, भारत को तीसरे तेज गेंदबाज के बारे में फैसला करना होगा।

टीम इंडिया ने पाकिस्तान के साथ खेलनें से किया इंकार, भारत का टूर्नामेंट में सफर हुआ समाप्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (WCL) 2025 के बहुप्रतीक्षित सेमीफाइनल में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला मुकाबला अब नहीं होगा। भारतीय खिलाड़ियों द्वारा मैच में खेलने से इनकार करने के बाद यह फैसला लिया गया है। इस निर्णय के साथ ही भारतीय टीम का इस टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया है। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में चार टीमों ने जगह बनाई थी। भारत, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका। सेमीफाइनल मुकाबला 31 जुलाई को भारत और पाकिस्तान के बीच बर्मिंघम में खेला जाना था, लेकिन अब यह मुकाबला नहीं होगा।

भारतीय खिलाड़ियों का खेलने से इनकार

पीटीआई के सूत्रों के अनुसार, भारत चैंपियंस लीग का प्रतिनिधित्व कर रहे पूर्व क्रिकेटरों ने पाकिस्तान चैंपियंस लीग के खिलाफ सेमीफाइनल खेलने से इनकार कर दिया। इससे पहले ग्रुप स्टेज में भी भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला नहीं हो सका था। इस फैसले के पीछे भारतीय खिलाड़ियों की व्यक्तिगत और राष्ट्रीय भावना को अहम कारण माना जा रहा है, हालांकि आयोजकों की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान अभी तक सामने नहीं आया है।

मुरली श्रीशंकर की नजरें विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई करने पर लगीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के लंबी कूद एथलीट मुरली श्रीशंकर की नजरे अब सितंबर में टोक्यों में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई करने पर लगी है जिसके लिए क्वालीफिकेशन मार्क 8.27 मीटर है। इसके लिए वह अगले माह 14 अगस्त तक यूरोप और मध्य एशिया में टूर्नामेंट खेलेंगे । श्रीशंकर ने हाल ही में पुर्तगाल के माइया में विश्व एथलेटिक्स उपमहाद्वीपीय टूर के कांस्य स्तर के टूर्नामेंट में माइया सिडाडे डो डेसपोर्टो में 7.75 मीटर की कूद लगाकर खिताब जीता था।

एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता श्रीशंकर ने शनिवार की रात को दूसरे दौर में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। उन्होंने 7.63 मीटर की छलांग के साथ शुरूआत की और दूसरे दौर में 7.75 मीटर कीछलांग लगाई। तीसरी छलांग में उन्होंने 7.69 मीटर का फासला तय किया। अगला प्रयास फाउल रहा और इसके बाद 6.12 और 7.58 मीटर की कूद लगाई। पोलैंड के पियोत्र तारकोवस्की ने भी 7.75 मीटर की कूद लगाई लेकिन उनका दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास 7.58 मीटर था जो श्रीशंकर के 7.69 मीटर से कम था। विश्व एथलेटिक्स के नियमों के अनुसार अगर दो खिलाड़ियों में टाई होता है तो दूसरी वैध कूद को टाइब्रेकर माना जाता है। गौरतलब है कि घुटने की सर्जरी के कारण लंबे समय खेल से दूर रहे श्रीशंकर ने इस महीने की शुरूआत में इंडियन ओपन एथलेटिक्स मीट के जरिये वापसी की थी। उनकी नजरें सितंबर में तोक्यो में होने वाली

रविंद्र जडेजा विश्व के नंबर एक टेस्ट ऑलराउंडर, अभिषेक टी20 में शीर्ष पर पहुंचे

दुबई(एजेंसी)। भारतीय हरफनमौला रविंद्र जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में दुनिया के नंबर एक हरफनमौला के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है जबकि अभिषेक शर्मा पहली बार टी20 रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे। आईसीसी टेस्ट क्रिकेटरों की ताजा रैंकिंग में जडेजा के पास 117 रेटिंग अंकों की बढ़त हो गई है जबकि बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज दूसरे स्थान पर हैं।

दूसरी ओर टी20 रैंकिंग में एक साल से शीर्ष पर काबिज ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड को पछाड़कर भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा नंबर एक पर पहुंच गए हैं। बाएं हाथ के बल्लेबाज शर्मा के अब 829 रेटिंग अंक हैं जबकि हेड 814 अंक के

साथ दूसरे स्थान पर हैं।

आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर जारी बयान में कहा, 'जडेजा ने 107 रन की नाबाद पारी और वार विकेट लेकर हरफनमौलाओं की रैंकिंग में बढत बना ली है।' इसमें कहा गया, 'उसने 13 रेटिंग अंक हासिल किए है और कुल 422 अंक के साथ वह बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज से 117 अंक आगे हैं। इसके साथ ही बल्लेबाजों की रैंकिंग में वह पांच पायदान चढ़कर 29वें और गेंदबाजों में एक पायदान चढकर 14वें स्थान पर हैं।'

वॉशिंगटन सुंदर आठ पायदान चढ़कर 65वें स्थान पर हैं जिन्होंने जडेजा के साथ पांचवें विकेट के लिए 203 रन की साझेदारी करके मैनचेस्टर टेस्ट ड्रॉ कराया था। टेस्ट क्रिकेट में जो रूट शीर्ष बल्लेबाज हैं जबकि न्यूजीलैंड के केन विलियमसन दूसरे और इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स तीसरे स्थान पर है। गेंदबाजों में चार साल बाद टेस्ट टीम में वापसी करने वाले जोफ्रा आर्चर 38 पायदान चढ़कर 63वें स्थान पर पहुंच गए हैं। क्रिस वोक्स एक पायदान ऊपर 23वें स्थान पर हैं। इंग्लैंड के बेन डकेट दसवें और जाक क्रॉली 43वें स्थान पर आ गए हैं।

बेन स्टोक्स 5वें टेस्ट से बाहर, इंग्लैंड ने प्लेइंग 11 में किए बड़े बदलाव

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स दाहिने कंधे की चोट के कारण भारत के खिलाफ द ओवल में होने वाले अंतिम टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं, जिसके कारण इंग्लैंड की प्लेइंग ङ्घ में चार बदलाव हुए हैं। इंग्लैंड चयन समिति ने बुधवार को टीम में बदलावों की घोषणा की, जिसमें जैकब बेथेल, गस एटकिंसन, जेमी ओवरटन और जोश टंग को टीम में शामिल किया गया है। स्टोक्स की अनुपस्थिति में कप्तानी की जिम्मेदारी अनुभवी ओली पोप को सौंपी गई है। टीम प्रबंधन ने अपनी गेंदबाजी लाइनअप में बड़े बदलाव किए हैं, जिसमें स्पिनर लियाम डॉसन और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और ब्रायडन कार्से अंतिम टेस्ट में नहीं खेलेंगे। तेज गेंदबाजी को मजबूत करने के लिए सरे के गेंदबाज गस एटकिंसन और जेमी ओवरटन को टीम में शामिल किया गया है। जैकब बेथेल संभवत: छठे नंबर पर खेलेंगे, जिससे इंग्लैंड के मध्य क्रम में नई प्रतिभाएं जुड़ेंगी। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी जेमी स्मिथ संभालेंगे, जो स्टंप के पीछे अपनी जगह बनाए रखेंगे। चोटिल बेन स्टोक्स की जगह ओली पोप को कार्यवाहक कप्तान नियुक्त किया गया है। बल्लेबाजी क्रम में जैक क्रॉली और बेन डकेट अपनी सलामी जोड़ी बनाए रखेंगे, उनके बाद पोप तीसरे और अनुभवी रूट चौथे नंबर पर होंगे।

सुंदर की भूमिका अभी तक स्पष्ट नहीं : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली । पूर्व किकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि स्पिन ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर ने इंग्लैंड दौरे में अच्छी बल्लेबाजी की है पर अभी तक ये स्पष्ट नहीं हुआ है कि उन्हें किस भूमिका के लिए रखा गया है। अभी तक ये तय नहीं किया गया है कि उन्हें स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के तौर पर रखा गया है या बल्लेबाजी ऑलराउडर की भूमिका में। सुंदर ने इस सीरीज में गेंदबाजी में प्रभावित नहीं किया है हालांकि उनकी बल्लेबाजी अच्छी रही है। मैनचेस्टर में उन्होंने 101 रन बनाया और अपनी टीम के लिए मैच ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई। आकाश ने एक वीडियो में कहा, 'वॉशिंगटन सुंदर को बल्लेबाजी क्रम में प्रमोट किया गया। आप चाहते थे कि ऋषभ पंत को अधिक बल्लेबाजी ना करनी पड़े। अब, यह एक बड़ा सवाल है, क्योंकि जब आप चयन की बात करते हैं, तो आप क्या चाहते हैं, क्या आप एक ऐसा बल्लेबाज चाहते हैं जो गेंदबाजी कर सके, वहीं मुख्य रुप से एक ऐसा गेंदबाज जो बल्लेबाजी कर सके, आप एक खिलाड़ी के लिए किस तरह की भूमिका तय कर रहे हैं ये स्पष्ट किया जाना चाहिये।' उन्होंने साथ ही कहा कहा, 'मुझे अब भी लगता है कि वॉशिंगटन सुंदर की भूमिका ठीक से साफ नहीं हो पा रही है, क्योंकि वह बहुत देर से गेंदबाजी के लिए आते हैं और बहुत कम गेंदबाजी करते हैं। गेंदबाज के तौर पर उन्होंने दो भी विकेट लिए हैं। वह एक अच्छे बल्लेबाज नजर आते हैं। मुझे नहीं लगता कि उनके पास आर अश्विन जैसा गेंदबाजी कौशल है। मुझे नहीं पता कि वह एक दिन उस जैसा गेंदबाज बनेगा या नहीं, लेकिन वह अभी जो कर रहा है वह काफी अच्छा है।

ओवल टेस्ट से पहले कप्तान शुभमन गिल का बयान, पिच क्यूरेटर से गौतम गंभीर की लड़ाई पर तोड़ी चुप्पी

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला गुरुवार, 31 जुलाई से होने वाला है। इस मैच से पहले टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ओवल मैदान के पिच क्यूरेटर ली फोर्टिस से बहस के कारण चर्चा में हैं। इस मामले पर अब कप्तान शुभमन गिल की 5वें टेस्ट मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस की है। इस बीच गिल ने गंभीर और क्यूरेटर के बहस को लेकर अपनी चुप्पी तोड़ी है।

शुभमन गिल ने गंभीर और पिच क्यूरेटर की बहस पर एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि मुझे समझ ही नहीं आया कि क्यूरेटर ने हेड कोच के साथ

बहस क्यों की। शुभमन गिल ने कहा कि, मुझे नहीं पता कि कल क्या हुआ था और पिच क्यूरेटर ने ऐसा क्यों किया। हमने चार मैच खेले हैं और किसी ने हमें रोकने की कोशिश नहीं की। सभी ने बहुत क्रिकेट खेला है और कोच और कप्तान कई बार विकेट देखने गए हैं। मुझे नहीं पता कि इतना हंगामा किस बात का था।

गिल ने कहा कि, अगर कोई क्यूरेटर हमें विकेट को न देखने या तीन मीटर पीछे से देखने के लिए कहता है, तो ऐसा हमने पहले कभी नहीं देखा। हम लंबे समय से क्रिकेट खेल रहे हैं और जब तक आप रबर स्पाइक्स या नंगे पैर हैं, आपको विकेट को करीब से देखने की अनुमति है। ये कोच और कप्तान का काम है। इसलिए, मुझे नहीं पात कि क्यूरेटर ने हमें ऐसा करने की अनुमति क्यों नहीं दी।

ईस्पोर्ट्स शतरंज विश्व कप 2025 : क्वार्टर फाइनल में पहुँचे अर्जुन, फिरौजा, अरोनियन और कार्लसन

रियाद ,सऊदी अरब, । ईस्पोर्ट्स वर्ल्ड कप 2025 में पहली बार शामिल शतरंज प्रतियोगिता के ग्रुप चरण पूरे हो चुके हैं और ग्रुप ए से यूएसए के लेवोन अरोनियन (टीम रिजेक्ट), ग्रुप बी से भारत के अर्जुन एरिगैसी (जेन जी ईस्पोर्ट्स), ग्रुप सी से फ्रांस के अलीरेज़ा फिरौजा (टीम फाल्कन्स) और ग्रुप डी से मैगनस कार्लसन (टीम लिक्विड) ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारत के अर्जुन एरिगैसी ने पहले हमवतन निहाल सरीन (एस8यूएल) को 2-0 से हराया और फिर फ्रांस के दिग्गज जीएम मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव (टीम विटालिटी) को आर्मागेडन मुकाबले में 2-1 से हराकर नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की की। अब निहाल को क्वार्टर फाइनल में पहुँचने के लिए नीदरलैंड के अनीश गिरी (टीम सीक्रेट) और मैक्सिम के खिलाफ लूज़र ब्रैकेट में जीत हासिल करनी होगी। कंपटीशन का समय नियंत्रण 10 मिनट प्रति खिलाड़ी है, जिसमें कोई इन्क्रिमेंट नहीं है। खिलाड़ियों को शोर-रहित हेडफोन पहनने और अपनी पसंद का संगीत सुनने की अनुमति दी गई है ङ्क जो आधुनिक ईस्पोर्ट्स शतरंज के अनुरूप है। कुल पुरस्कार राशि 1.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर है, जबकि शतरंज खिलाड़ियों को उनकी ईस्पोर्ट्स टीमों के जरिए 27 मिलियन डॉलर के साझा इनाम का भी हिस्सा मिलेगा। इस बार ग्रुप्स को चार शीर्ष खिलाड़ियों ङ्क जीएम इयान नेपोमनियाची, जीएम मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव, जीएम हिकारू नाकामुरा और जीएम मैग्नस कार्लसन ङ्क द्वारा चुना गया, जिन्होंने बाक़ी खिलाड़ियों का चयन ड्राफ्ट के ज़रिए किया।

आईपीएल 2026 में बदलेगी एलएसजी की किस्मत, भरत अरुण बनेंगे फ्रेंचाइजी के गेंदबाजी कोच

लखनऊ (एजेंसी)। भारत के पूर्व गेंदबाजी कोच भरत अरुण ने आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स का दामन थाम लिया है। केकेआर से अलग होकर भरत अरुण अब एलएसजी के लिए गेंदबाजी कोच का जिम्मा संभालेंगे। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक घोषणा होना बाकी है।

अरुण पिछले कुछ सालों से केकेआर से जुड़े थे। साल 2025 में टीम आठवें स्थान पर रही। इसके चलते शाहरुख खान के स्वामित्व वाली ये फ्रेंचाइजी अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव कर रही है, जिसमें अभिषेक नायर और ड्वेन ब्रावो मुख्य भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। इसी तरह चंद्रकांत पंडित और अरुण दोनों की अनुभवी जोड़ी अलग हो गई है। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, भरत अरुण लखनऊ सुपर जाएंट्स के नए गेंदबाजी कोच नियुक्त किए हैं। फ्रेंचाइजी के एक करीबी सूत्र ने पीटीआई को बताया कि हां, अरुण एलएसजी में शामिल हो गए हैं और जल्द ही औपचारिक घोषणा होने की उम्मीद है।

बता दें कि, पिछले सीजन में सातवें स्थान पर रहने के बाद एलएसजी अपने सहयोगी स्टाफ में बदलाव कर रही है। पिछले सीजन में एलएसजी की गेंदबाजी ने बेहतरीन प्रदर्शन नहीं किया था। मयंक यादव महज दो ही मैच खेल पाए। वहीं टीम के अन्य तेज गेंदबाज अपना प्रभाव छोड़ पाने में फेल रहे।

डेजा में विदेशी धरती पर जीत दिलाने की क्षमता नहीं : सिद्धू

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा है कि मैनचेस्टर टेस्ट में ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा ने काफी अच्छी बल्लेबाज की है पर इसके बाद भी वह विदेशी धरती पर टीम को जीत दिलाने में सक्षम नजर नहीं आते है।

सिद्धू ने विदेशी हालातों में मैच विजेता नहीं होने को जडेजा की कमजोरी बताया है। उन्होंने कहा कि स्टार ऑलराउंडर की ये अक्षमता पहले ही टेस्ट से नजर आ गयी थी। सिद्धू ने कहा, 'मैंने भी जडेजा की बहुत तारीफ की है पर वह महान ऑलराउंडर कपिल देव जैसे नहीं हैं। कपिल ने विदेश में भारतीय टीम को बहुत सारे टेस्ट जिताए। वहीं जडेजा ने विदेश में सहयोगी भूमिका में ही अच्छा प्रदर्शन किया है। वह अपने ओवरों को जल्दी करता है पर वह टेस्ट मैचों को जिताने में सक्षम नहीं है।' मैनचेस्टर टेस्ट में भारत की दूसरी पारी में जडेजा ने नाबाद 107 रन बनाए थे। उन्होंने मैच के अंतिम दिन वॉशिंगटन सुंदर के साथ मिलकर बड़ी साझेदारी कर इंग्लैंड के गेंदबाजों के जीत के सपने तोड़ दिये। जडेजा और सुंदर ने अपनी यादगार पारियों की बदौलत मैच ड्रॉ करा दिया। उन्होंने अंतिम दिन असमान उछाल भरी पिच पर इंग्लैंड के गेंदबाजों का पूरी ताकत से मुकाबला किया। इससे पहले लॉर्ड्स टेस्ट में भी जडेजा ने शानदार बल्लेबाजी कर अंत तक पारी संभाली थी। उन्होंने नाबाद 61 रन बनाए थे पर इसके बाद भी भारतीय टीम 22 रन से हार गयी। उस मैच के बाद जडेजा की रणनीति और उनके प्रदर्शन को लेकर बहस भी तेज हुई थी। ज्यादातर ने साहसिक रवैये की तारीफ की पर वह विशेषज्ञों का कुछ ने उनकी आलोचना की थी। तब रवि शास्त्री ने कहा था कि अगर अपनी बल्लेबाजी पर जडेजा को बेन स्टोक्स की तरह 40 फीसदी भी भरोसा होता तो वह टीम को जीत दिला देते।

शुभमन गिल पांचवें टेस्ट में बनाएंगे बड़ा रिकॉर्ड, 6000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने से मात्र इतने रन दूर

लंदन (एजेंसी)। भारत 31 जुलाई से ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच की तैयारी कर रहा है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सभी प्रारूपों में 6000 रन पूरे करने से केवल 32 रन दूर हैं। गिल ने 112 मैचों में 46.62 की औसत और 79.92 के स्ट्राइक रेट से 5968 रन बनाए हैं। उन्होंने 25 अर्धशतक और 18 शतक लगाए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 269 रहा है।

भारतीय कप्तान इंग्लैंड के खिलाफ चल रही एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में अब तक खेले गए चार मैचों में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 8 पारियों में 90.25 की औसत से 722 रन बनाए हैं। चौथे टेस्ट की तीसरी पारी में गिल ने 103 रनों की पारी खेली, जो इस सीरीज का उनका चौथा शतक था और यह पारी मुश्किल परिस्थितियों में खेली गई। इस शतक के साथ गिल डॉन ब्रैडमैन और सुनील गावस्कर की बराबरी पर आ गए, जिन्होंने टेस्ट इतिहास में एक ही सीरीज में चार शतक जड़े हैं।

ब्रैडमैन ने 1947-48 में भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज में यह कमाल किया था, जबकि गावस्कर ने 1978-79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में धमाल मचाया था। गिल ने यह उपलब्धि विदेशी धरती पर और कप्तान के रूप में अपनी पहली टेस्ट सीरीज में हासिल की। कप्तान के रूप में अपनी पहली टेस्ट सीरीज में किसी अन्य खिलाड़ी ने चार शतक नहीं लगाए हैं। इससे पहले सर्वश्रेष्ठ तीन शतक थे, यह रिकॉर्ड खेल के पांच महान खिलाड़ियों वारविक आर्मस्ट्रांग, डॉन ब्रैडमैन, ग्रेग चैपल, विराट कोहली और स्टीवन स्मिथ के नाम था।

गिल के 103 रन ओल्ड ट्रैफर्ड में 35 सालों में किसी भारतीय द्वारा बनाया गया पहला शतक था जोकि 1990 में युवा सचिन तेंदुलकर के प्रतिष्ठित 119 रनों के बाद आया। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) के कुल आंकड़ों के लिहाज से गिल का रिकॉर्ड लगातार मजबूत होता जा रहा है। अब उनके पास WTC युग में नौ शतक हैं, जो रोहित शर्मा के बराबर है, हालांकि गिल ने रोहित के 69 की तुलना में 67 पारियों में ऐसा किया है।

महंगाई कम, फिर भी जोखिम बरकरारः आरबीआई को ब्याज दरों पर लेना होगा सावधानीपूर्वक निर्णय

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लिए ब्याज दरों पर सावधानीपूर्वक विचार करना जरुरी है, भले ही हाल ही में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति जून 2025 में घटकर 2.1 प्रतिशत हो गई है। यह कमी काफी हद तक खाद्य कीमतों में गिरावट के कारण हुई है। अप्रैल-जून तिमाही के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति औसतन 2.7 प्रतिशत ही, जो आरबीआई के 2.9 प्रतिशत के अनुमान से कम है। वित्त वर्ष 2026 में सीपीआई मुद्रास्फीति के औसतन 3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो वित्त वर्ष 2025 में दर्ज 4.6 प्रतिशत से काफी कम है। यह जुलाई-सितंबर की अवधि में लगभग 2.5 प्रतिशत और अक्टूबर-दिसंबर की अवधि में 2.6 प्रतिशत तक हो सकती है।

हालांकि मौजूदा स्थिति अनुकूल दिख रही है, लेकिन यह लंबे समय तक नहीं रहेगी। इस साल की तेज गिरावट अगले वित्त वर्ष के लिए एक प्रतिकूल आधार प्रभाव पैदा करेगी। अनुमान है कि अप्रैल-जून 2026 में मुद्रास्फीति बढ़कर 5 प्रतिशत होगी, और वित्त वर्ष 2027 में औसतन 4.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जो वित्त वर्ष 2026 के संभावित औसत 3 प्रतिशत से काफी अधिक है।

अतीत में भी ऐसा देखा गया है कि कम मुद्रास्फीति की अवधि के बाद इसमें तेजी से वृद्धि हुई है। नवंबर 2018 से जनवरी 2019 तक सीपीआई मुद्रास्फीति औसतन 2.1 प्रतिशत थी, लेकिन एक साल बाद आधार प्रभाव और बढ़ती खाद्य कीमतों के कारण यह 7.5 प्रतिशत से अधिक हो गई। जून 2017 में सीपीआई मुद्रास्फीति 1.5 प्रतिशत के निचले स्तर पर पहुंच गई थी, लेकिन 2018 के मध्य तक यह करीब 5 प्रतिशत हो गई।

मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के लिए निहितार्थ

इस पृष्ठभूमि में, एमपीसी को संयम बरतना होगा। यदि वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में मुद्रास्फीति 5 प्रतिशत तक बढ़ जाती है और वित्त वर्ष 2027 में औसतन 4.5 प्रतिशत रहती है, तब वास्तविक ब्याज दर कम होकर 50-100 आधार अंक होगी। यदि रेपो दर में और कटौती करके 5 प्रतिशत कर दिया जाता है,वास्तविक दर और घटकर शून्य तक हो जाएगी, जो मध्यम अवधि की व्यापक आर्थिक स्थिरता के लिए आदर्श स्थिति नहीं हो सकती है।

टाटा मोटर्स कर रही एलविको से डील! निवेशक हुए निराश, गिरे कंपनी के शेयर

नई दिल्ली।

टाटा मोटर्स यूरोप की जानी-मानी ट्रक निर्माता कंपनी एलविको को करीब 4.5 अरब डॉलर यानी करीब 37,000 करोड़ रुपए में खरीदने की तैयारी कर रही है। यह सौदा टाटा ग्रुप का अब तक का दूसरा सबसे बड़ा सौदा होगा। इससे पहले 2007 में टाटा स्टील ने कोरस ग्रुप को 12 अरब डॉलर में खरीदा था। इस डील ने टाटा मोटर्स के निवेशकों को निराश किया है। कंपनी के शेयर करीब पौने चार फीसदी टूट गए। टाटा मोटर्स के शेयर अपने 52 हफ्ते के हाई से 45 फीसदी से ज्यादा टूटे जबकि मार्केट हरे निशान पर है और सेंसेक्स-निफ्टी में भी बढ़त है।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि टाटा मोटर्स और एलविको के बोर्ड इस प्रस्ताव पर मुहर लगा सकते हैं। इसके बाद सौदे की औपचारिक घोषणा की जाएगी। टाटा मोटर्स, इटली के ट्यूरिन स्थित एलविको में फिलहाल एक्सॉर की 27.1 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी। एक्सॉर, इटली की प्रतिष्ठित फैमिली की निवेश कंपनी है, जिसके पास एलविको में 43.1 फीसदी वोटिंग राइट्स भी हैं। यह डील टाटा मोटर्स के लिए रणनीतिक रूप से बेहद अहम है। 2008 में कंपनी ने जगुआर-लैंड रोवर को 2.3 अरब डॉलर में खरीदा था, लेकिन एलविको अधिग्रहण उससे भी बड़ा होगा।

इस सौदे के बाद टाटा मोटर्स का वाणिज्यिक

वाहन कारोबार तीन गुना तक बढ़ सकता है अनुमान लगाया जा रहा है कि इसका रेवेन्यू 75,000 करोड़ रुपए से बढ़कर 2 लाख करोड़ से अधिक हो जाएगा। एलविको इस अधिग्रहण से पहले अपने डिफेंस डिवीजन को अलग कर रही है, जो इस डील का हिस्सा नहीं होगा। इटली सरकार के लिए एलविको का डिफेंस बिजनेस संवेदनशील है, इसलिए इसे रणनीतिक रूप से बाहर रखा गया है।

वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की जीडीपी वृद्धिदर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान

नई दिल्ली।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2026 और 2027 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान है। दोनों ही आंकड़ों में थोड़ा संशोधन किया गया है, जो अप्रैल के पूर्वानुमान की तुलना में ज्यादा अनुकूल बाहरी वातावरण को दर्शाता है। आईएमएफ ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर के अपने अनुमान को 20 आधार अंक बढ़ाकर 6.4 फीसदी कर दिया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2027 के लिए अपने विकास पूर्वानुमान को भी 10 आधार अंक (बीपीएस) बढ़ाकर 6.4 फीसदी कर दिया है। आईएमएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में वैश्विक विकास दर 3.0 फीसदी और 2026 में 3.1 फीसदी रहने का अनुमान है, जो अप्रैल 2025 के विश्व आर्थिक परिदृश्य से ऊपर की ओर संशोधन है। यह टैरिफ से पहले अग्रिम भुगतान, कम प्रभावी टैरिफ दरों, बेहतर वित्तीय स्थितियों और कुछ प्रमुख क्षेत्रों में राजकोषीय विस्तार को दर्शाता है।

रिपोर्ट में आगे कहा कि वैश्विक मुद्रास्फीति में गिरावट की उम्मीद है, लेकिन अमेरिकी मुद्रास्फीति के लक्ष्य से ऊपर रहने का अनुमान है। संभावित रूप से उच्च टैरिफ, बढ़ी हुई अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनाव से नकारात्मक जोखिम बना हुआ है। उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में, 2025 में विकास दर 4.1 फीसदी और 2026 में 4.0 फीसदी रहने की उम्मीद है। मुद्रास्फीति 2025 में 4.2 फीसदी और 2026 में 3.6 फीसदी गिरने की उम्मीद है, जो अप्रैल में अनुमानित दर के समान है।

आईएमएफ रिपोर्ट में कहा गया है कि डब्ल्यूईओ के लिए जोखिम नकारात्मक दिशा में बने हुए हैं, जैसा कि अप्रैल 2025 के वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक में था। प्रभावी टैरिफ दरों में उछाल से विकास दर कमजोर हो सकती है। बढ़ी हुई अनिश्चितता गतिविधियों पर भारी पड़ सकती है, साथ ही अतिरिक्त टैरिफ की समय सीमा भी समाप्त हो रही है, जबकि ठोस, स्थायी समझौतों पर प्रगति नहीं हो रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक विखंडन की चिंताओं के साथ वित्तीय बाजारों में अस्थिरता फिर से पैदा हो सकती है।

जियो वित्तीय सर्विसिज में 10,000 करोड़ रुपये तक का निवेश करेगा अंबानी परिवार

बैठक में होगा इसका फैसला

मुंबई ।

देश का दिग्गज कारोबारी परिवार अंबानी जियो वित्तीय सर्विसेज में 10,000 करोड़ रुपये तक का निवेश कर सकता है। घटनाक्रम के जुड़े शख्स ने बताया कि कंपनी का प्रवर्तक अंबानी परिवार जियो वित्तीय सेवा में अपनी हिस्सेदारी 5 फीसदी तक बढ़ा सकता है। इससे कंपनी में उनकी कुल हिस्सेदारी मौजूदा 47 से बढ़कर 51 फीसदी से अधिक होगी। नए शेयर का भाव 320 से 325 रुपये के बीच रह सकता है। हालांकि यह कंपनी बोर्ड और नियामकीय मंजूरी पर निर्भर करेगा। बंबई स्टॉक एक्सचेंज पर जियो वित्तीय का शेयर बुधवार को 321 रुपये पर बंद हुआ जिससे इसका कुल बाजार पूंजीकरण 2.03 लाख करोड़ रुपये रहा। अंबानी परिवार अपनी वित्तीय सेवा इकाई में ताजा पूंजी डालने वाला अकेला नहीं है। इस महीने की शुरुआत में अदार पूनावाला के स्वामित्व वाली कंपनी पूनावाला फिनकॉर्प ने 1,500 करोड़ के निवेश प्रस्ताव को मंजूरी दी थी, जिससे इसकी नेटवर्थ बढ़कर 9,700 करोड़ रुपये हो गई और खुदरा ऋण कारोबार में कंपनी की विस्तार की रणनीति को भी बल मिला। टाटा संस की गैर-सूचीबद्ध सहायक कंपनी टाटा कैपिटल इस साल सितंबर से पहले 2 अरब डॉलर का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की योजना तैयार कर रही है। आईपीओ से मिलने वाले पैसों का उपयोग कंपनी तेजी से बढ़ते भारतीय वित्तीय सेवा क्षेत्र में अपने परिचालन का विस्तार करने के लिए करेगी। जियो वित्तीय जुलाई 2023 में रिलायंस इंडस्ट्रीज से अलग कंपनी बनी थी। यह तेजी से ऋण, बीमा और परिसंपत्ति प्रबंधन में अपना विस्तार कर रही है और भारतीय वित्तीय सेवा बाजार में अपनी जगह बनाने के लिए जियो वित्तीय को नई पूंजी की आवश्यकता है। बैंकरों ने कहा कि बीमा सहित व्यापक बाजार में प्रवेश से पहले ताजा पूंजी निवेश से कंपनी की बैलेंस शीट मजबूत होने की उम्मीद है। 19 जुलाई को जियो वित्तीय सर्विसेज ने म्यूनिख के आलियांज समूह के साथ इसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी आलियांज यूरोप बी.वी. के माध्यम से पुनर्बीमा क्षेत्र में 50-50 फीसदी हिस्सेदारी वाला संयुक्त उपक्रम बनाने का समझौता किया है।

टॉप टूरिज्म डेस्टिनेशन सूची में न्यूजीलैंड टॉप पर भारत ने पाया तीसरा स्थान

मेहमान नवाज़ी और लग्ज़री हॉस्पिटैलिटी सेक्टर को भी मिली अंतरराष्ट्रीय मान्यता

नई दिल्ली।

भारत ने पर्यटन के क्षेत्र में बड़ी छलांग लगाई है। ब्रिटेन के एक अखबार की टॉप टूरिज्म डेस्टिनेशन लिस्ट में भारत तीसरे नंबर पर है। इस सूची में न्यूज़ीलैंड पहले और जापान दूसरे नंबर पर है, जबकि अमेरिका और चीन जैसे बड़े देश भारत से भी पीछे हैं। भारत की मेहमान नवाज़ी और लग्ज़री हॉस्पिटैलिटी सेक्टर को भी अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिली है। ओबेरॉय होटल्स को दुनिया का नंबर 1 होटल ब्रांड और ताज होटल को तीसरा स्थान मिला है। 2024 में अब तक 50 नए होटल लॉन्च किए हैं और 2030 तक 700 होटल्स का लक्ष्य है। इसी दौड़ में फ्रांस का एकॉर ग्रुप भी शामिल है, जो अपने होटल्स को तीन गुना तक बढ़ाने की तैयारी कर रहा है।

भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी 3,000 डॉलर पार कर चुकी है, जिससे देश में ट्रैवल हैबिट्स तेजी से बदले हैं। लोग अब साल में कई बार देश और विदेश की यात्राएं कर रहे हैं। इससे घरेलू पर्यटन को मजबूती मिल रही है। भारत में इस समय करीब दो लाख ब्रांडेड होटल रूम्स हैं, जो आबादी के अनुपात में काफी कम हैं।

जानकारी के मुताबिक डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए अब सिलीगुड़ी नई पसंद बनता जा रहा है। बिहार और बंगाल के कई परिवार इस शांत हिल स्टेशन को विवाह स्थलों के रूप में चुन रहे हैं। मेफेयर के बाद अब ताज, आईटीसी और हयात जैसे बड़े ब्रांड्स भी यहां होटल्स खोलने की योजना बना रहे हैं। करोड़ों रुपए खर्च करने वाले परिवारों के लिए 100 कमरों वाले होटल भी पर्याप्त नहीं रह गए हैं। भारत का हॉस्पिटैलिटी सेक्टर अब केवल विकास नहीं बल्कि बदलाव की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

रुपया गिरावट पर बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 55 पैसे की गिरावट के साथ ही 87.45 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपये में गिरावट कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर संशय को देखते हुए निवेशकों की धारणा कमजोर रहने से आई है। रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87 के स्तर से नीचे पहुंच गया। वहीं विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि आयातकों की ओर से माह के अंत में डॉलर की मांग और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से भी रुपये पर दबाव आया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया नकारात्मक रुख के साथ खुला और अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 87.15 के निचले स्तर तक पहुंच गया। इसका पिछला बंद भाव 24 पैसे की गिरावट दिखाता है। वहीं रुपया मंगलवार को चार महीने से भी अधिक के निचले स्तर पर खिसक गया था। यह 21 पैसे नीचे आकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.91 पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 फीसदी की गिरावट के साथ ही 98.77 पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.11 फीसदी की बढ़त के साथ 72.59 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा।

औद्योगिक स्थानों और गोदामों को पट्टे पर लेने की मांग 63 प्रतिशत बढ़ी

मुंबई । देश के आठ प्रमुख शहरों में ई-कॉमर्स कंपनियों की बेहतर मांग के कारण औद्योगिक स्थानों और गोदामों को पट्टे पर लेने की मांग 2025 की पहली छमाही में सालाना आधार पर 63 प्रतिशत बढ़कर 27.1 मिलियन वर्ग फुट हुई है। रियल एस्टेट से जुड़ी सेवाएं देने वाली एक फर्म ने बताया कि वर्ष जनवरी-जून के दौरान पट्टे पर दिए गए कुल स्थानों में से 32 प्रतिशत स्थान 'थर्ड पार्टी लॉजिस्टिक्स (3पीएल) कंपनियों को दिए गए जबकि ई-कॉमर्स कंपनियों की हिस्सेदारी बढ़कर 25 प्रतिशत हो गई। फर्म से जुड़े जानकार ने कहा, ''3पीएल और ई-कॉमर्स का प्रभुत्व दिखाता है कि किस प्रकार तेजी से विकसित हो रही उपभोक्ता अपेक्षाएं और आपूर्ति श्रृंखला अनुकूलन परिदृश्य को नया आकार दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकास की अगली लहर प्रीमियम, टिकाऊ और प्रौद्योगिकी-सक्षम सुविधाओं द्वारा परिभाषित होगी। फर्म के अनुसार, जनवरी-जून 2025 के दौरान औद्योगिक स्थानों और गोदामों की आपूर्ति 1.67 करोड़ वर्ग फुट रही। इस अवधि में कुल आपूर्ति में बेंगलुरु, चेन्नई और मुंबई का योगदान 57 प्रतिशत रहा। रियल एस्टेट सलाहकार ने 2025 की पहली छमाही में मजबूत प्रदर्शन के साथ उम्मीद जाहिर की हैं कि दूसरी छमाही में भी मांग मजबूत बनी रहेगी।

डिजिटल भुगतान इस साल मार्च तक 10.7 प्रतिशत बढ़ाः आरबीआई आंकड़ा

मुंबई । देश में इस साल मार्च तक डिजिटल भुगतान में सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। आरबीआई के सूचकांक से इसकी जानकारी मिली है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) एक जनवरी, 2021 से डिजिटल भुगतान सूचकांक (आरबीआई-डीपीआई) प्रकाशित कर रहा है। इसमें देश भर में भुगतान के डिजिटलीकरण की सीमा को दिखाने के लिए मार्च, 2018 को आधार वर्ष माना गया है। आरबीआई ने कहा कि मार्च, 2025 के लिए सूचकांक 493.22 है, जबकि सितंबर, 2024 में यह 465.33 और मार्च, 2024 में 445.5 था। छमाही आंकड़ों के अनुसार, आरबीआई-डिजिटल भुगतान सूचकांक बढ़ने का कारण देशभर में भुगतान बुनियादी ढांचाज आपूर्ति-पक्ष कारक और भुगतान प्रदर्शन जैसे मापदंडों में उल्लेखनीय वृद्धि है।'' आरबीआई-डिजिटल भुगतान मंच में पांच व्यापक मानदंड शामिल हैं जो विभिन्न समय अवधि में देश में डिजिटल भुगतान की गहनता और पहुंच को मापने को सक्षम बनाते हैं।

शेयर बाजार हल्की तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी से आई है। दिन के कारोबार के अंत तक 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 140 अंक ऊपर आकर 81481 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 30 अंक बढ़कर 24,800 के करीब बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से लार्सन एंड टुब्रो के शेयर में चार प्रतिशत से अधिक की तेजी आई। भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी और बजाज फिनसर्व के शेयर भी लाभ में रहे। टाटा मोटर्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, और इन्फोसिस के शेयर नुकसान में रहे। आज बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकर लगभग 80,000 करोड़ रुपये बढ़कर 452.24 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह पिछले कारोबारी दिन को 451.44 लाख करोड़ रुपये रहा था। इससे साफ है कि निवेशकों की संपत्ति में लगभग 80,000 करोड़ रुपये की बढ़त आई है। आज वैश्विक संकेतों में सुधार और निवेशकों की सकारात्मक धारणा से भी बाजार को लाभ हुआ। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स सपाट बंद हुए। वहीं आईटी, मेटल, फार्मा सेक्टर के इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं ऑटो, रियल्टी, एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में दबाव देखने को मिला। अमेरिकी फे रिजर्व की बैठक को लेकर निवेशकों में सतर्कता थी, जिससे ग्लोबल स्तर पर भी अनिश्चितता देखने को मिली। इसके साथ ही भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता में संभावित टैरिफ को लेकर चिंता का माहौल बना रहा, जिससे विदेशी निवेशकों की धारणा थोड़ी कमजोर रही। जिससे भी बाजार पर दबाव आया।

विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से भी घरेलू बाजार पर दबाव बना।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथा खुला। आज सुबह सेंसेक्स 168 अंक बढ़कर 81,506 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी तकरीबन 55 अंक ऊपर आकर 24,877 पर खुला। एलएंडटी के अच्छे तिमाही परिणामों के कारण शुरुआती कारोबार में इन्फ्रा शेयरों में बढ़त रही है और निफ्टी इन्फ्रा इंडेक्स 0.61 फीसदी ऊपर आया।

आज एशिया के अधिकतर बाजारों में तेजी के साथ कारोबार हुआ। टोक्यो, शंघाई, बैंकॉक और सोल में शेयर हरे निशान में थे, जबकि हांगकांग और जकार्ता में नुकसान के साथ हीलाल निशान में थे। अमेरिकी बाजार गिरावट पर बंद हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बिकवाली का सिलसिला जारी रखते हुए 4,636 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

अगस्त में बैंक 14 दिन रहेंगे बंद, जानें 5 रविवार और 2 शनिवार के अलावा कौन-कौन हैं अवकाश के दिन

नई दिल्ली। अगले माह यानी अगस्त में अलग-अलग राज्यों व शहरों में कुल 14 दिन के लिए बैंक में काम-काज नहीं होगा। अगस्त माह में 5 रविवार और दूसरे-चौथे शनिवार के अलावा 7 दिन ऐसे हैं जो अलग-अलग जगहों पर बैंकों में अवकाश रहने वाला है।अब यदि अगस्त माह में आपको बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम-काज करना है तो इन छुट्टियों के दिनों को छोड़कर आप बैंक जा सकते हैं। दरअसल अगस्त माह में आपके राज्य और शहर में बैंक कब-कब बंद रहेंगे यहां देखें- रविवार- 3 अगस्त, 10 अगस्त, 17 अगस्त, 24 अगस्त और 31 अगस्त को होने के कारण बैंक बंद रहेंगे। वहीं दूसरे और चौथे शनिवार यानी 09 अगस्त और 24 अगस्त को बैंक में काम-काज नहीं होगा।

15 से 17 तक 3 दिन बैंक बंद

देश की ज्यादातर जगहों पर 15 से 17 अगस्त तक लगातार 3 दिन बैंकों में कारोबार नहीं होगा। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस, 16 अगस्त को जन्माष्टमी/कृष्ण जयंती और 17 अगस्त को रविवार के चलते बैंकों में काम-काज नहीं होगा। वहीं असम में 23 से 25 अगस्त तक बैंकों में अवकाश रहेगा।

ऑनलाइन बैंकिंग से निपटाएं काम

बैंकों में अवकाश के बावजूद ऑनलाइन बैंकिंग और एटीएम के माध्यम से पैसे का लेन-देन या अन्य काम किए जा सकते हैं। इस तरह से ऑनलाइन सुविधाओं पर बैंकों की छुट्टियों का कोई असर नहीं पड़ेगा।

सेबी ने दी मंजूरी....भारत में भी आंशिक शेयर ट्रेडिंग के परीक्षण के लिए

मुंबई ।

बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने भारत में आंशिक (फैक्शनल) शेयर ट्रेडिंग के परीक्षण के लिए एक स्टार्टअप के प्रस्ताव को मंजूर किया है। यह निर्णय भारतीय इक्विटी बाजार के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है, क्योंकि निवेशक अब पूरे शेयर खरीदने के बजाय उसके एक या कुछ हिस्से का व्यापार कर सकते है। दरअसल आंशिक शेयर ट्रेडिंग वह व्यवस्था है जहाँ निवेशक एक पूरे शेयर की खरीद-फरोख्त के बजाय उसके एक छोटे हिस्से का व्यापार कर सकते हैं। यह प्रणाली अमेरिका जैसे देश में काफी लोकप्रिय रही है। यह उन निवेशकों के लिए फायदेमंद है जो अधिक महंगे शेयरों में निवेश करना चाहते हैं लेकिन उनके पास पूरे शेयर खरीदने के लिए पर्याप्त पूंजी नहीं होती।

इसके लिए सेबी ने एक बड़ा कदम उठाकर भारत में आंशिक शेयर ट्रेडिंग के परीक्षण के लिए मंजूरी दी है। यह निर्णय सेबी के 2021 के रुख में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दिखाता है, जब सेबी ने इसी तरह के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। जनवरी 2021 में, ज़ीरोधा और स्टॉक हिस्सा डॉट कॉम ने आंशिक शेयर ट्रेडिंग की अनुमति मांगी थी, लेकिन उनके आवेदन को नियामक ने खारिज कर दिया था। उस समय, उनका मॉडल एक होल्डिंग इकाई पर निर्भर था जो पूरे शेयर खरीदती और फिर उसका हिस्सा बेचती, जिससे नियामकीय और संरचनात्मक चुनौतियां उत्पन्न हो सकती थीं। लेकिन इस महीने की शुरुआत में, बेंगलूरु की जॉल्ट्स भी आंशिक शेयर ट्रेडिंग का परीक्षण करने के लिए सेबी के इनोवेशन सैंडबॉक्स में शामिल हुई थी। जॉल्ट्स के सह-संस्थापक नीरज सिंह ने बताया कि अगले 3 से 4 महीनों में कंपनी सेबी और बाजार के अन्य भागीदारों के समक्ष विभिन्न उपयोग-मामलों का प्रदर्शन करेगी।

सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि उनके सफल आवेदन का मूल आधार संरक्षण का ढांचा था, जिसमें आंशिक शेयर ब्रोकर के पास रहने की बजाय डिपॉजिटरी में रखे जाएंगे।

बैंकों में 5 दिन काम-काज को लेकर बोली सरकार- फैसला अभी नहीं

नई दिल्ली।

बैंकों के काम-काज दिवस को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। दरअसल बैंक कर्मचारियों की लंबे समस से मांग रही कि बैंक के काम-काज सप्ताह में 5 दिन ही हों, ऐसे में वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट कर दिया है कि फैसला अभी नहीं लिया गया है। बैंक कर्मचारियों और ग्राहकों के लिए यह खबर इसलिए भी अहम है, क्योंकि लंबे समय से बैंक कर्मचारियों की मांग रही है कि सप्ताह में 5 दिन बैंकिंग काम-काज हो। इसे देखते हुए सरकार ने सदन में एक बड़ा ऐलान कर दिया है। सरकार की ओर से वित्त मंत्रालय ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित जवाब में 28 जुलाई 2025 को बताया कि इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) ने सभी शनिवार को बैंक में अवकाश रखने का प्रस्ताव दिया है, लेकिन अभी इस पर कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। फिलहाल यह प्रस्ताव विचाराधीन है। इस संबंध में ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कॉन्फेडरेशन (एआईबीओसी) का कहना है कि सभी शनिवार बैंक बंद रखे जाते हैं तो कर्मचारियों की प्रोडक्टिविटी, वेल-बीइंग और कार्यसंस्कृति में सुधार होगा। वर्तमान में सरकारी बैंकों में महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को अवकाश रहता है। जबकि पहले, तीसरे और पांचवें शनिवार को बैंकों में काम-काज होता है।

ऑनर जल्द ही एक नया फ्लैगशिप फोन कर सकती है लॉन्च

नई दिल्ली । स्मार्टफोन निर्माण करने वाली कंपनी ऑनर जल्द ही एक नया फ्लैगशिप फोन लॉन्च कर सकती है। इसका नाम हॉनर मैजिक 8 अल्ट्रा होने की संभावना है। एक नई लीक ने बाजार में हलचल मचा दी है। टेक टिपस्टर फिक्स्ड फोकस डिजिटल के मुताबिक, कंपनी एक ऐसा स्मार्टफोन ला रही है जिसमें दो 200 मेगापिक्सल के कैमरे होंगे। इसमें एक मेन कैमरा और एक पेरिस्कोप टेलिफोटो लेंस शामिल हो सकता है, जो लो-लाइट फोटोग्राफी और टेलिस्कोपिक ज़ूम के लिए शानदार अनुभव देगा। ऑनर का यह डिवाइस सीधे तौर पर सैमसंग गैलेक्सी एस26 अल्ट्रा, शाओमी 16अल्ट्रा, वीवो एक्स300 अल्ट्रा और ओप्पो फाइंड एक्स9 अल्ट्रा जैसे हाई-एंड स्मार्टफोन्स को टक्कर देगा। इससे पहले भी ऑनर मैजिक 7 आरएसआर पोर्श एडिशन जैसे फोन में पेरिस्कोप लेंस देखने को मिला है। ऑनर की सुपर जूम तकनीक और 100 एक्स एआई-पावर्ड डिजिटल जूम इसे प्रतिस्पर्धियों से अलग बनाती है।

विशाल इंडिया
हिन्दी दैनिक

गौतमबुद्धनगर
गुरुवार 31 जुलाई 2025
Www.vishalindia.in

फैशन को लेकर बेफिक्र रणदीप बोले, कपड़े नहीं, अंदाज मायने रखता है

बॉलीवुड एक्टर-फिल्ममेकर रणदीप हुड्डा ने कहा कि वह फैशन के बारे में ज्यादा नहीं सोचते और अक्सर जो कपड़ा सबसे पहले दिखता है वही पहन लेते हैं। समाचार एजेंसी आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में रणदीप से पूछा गया, वह अपने फैशन फिलॉसफी को कैसे बयां करते हैं? इस सवाल का जवाब देते हुए रणदीप ने कहा, मेरे लिए ये सब मायने नहीं रखता और मैं इन सबके बारे में ज्यादा सोचता भी नहीं हूं। मुझे अलमारी में जो पहले दिख जाता है, मैं उसे पहन लेता हूं। 48 साल के इस अभिनेता का मानना है कि स्टाइल कपड़ों में नहीं बल्कि नजरिए में होता है। उन्होंने कहा कि अगर आपके अंदर आत्म आत्मविश्वास है, तो आप कुछ भी आसानी से पहनो, अच्छा ही लगेगा।

उन्होंने कहा, शायद इसीलिए मेरा लुक थोड़ा रफ लगता है। मेरे ख्याल से कपड़े पहनने या चुनने में थोड़ी बेफिक्री होनी चाहिए, बहुत ज्यादा परफेक्ट या बनावटी नहीं होना चाहिए। सरबजीत फेम अभिनेता ने कहा, मुझे लगता है कि यह सब आपके व्यवहार पर निर्भर करता है, न कि इस पर कि आपने क्या पहना है। अगर आपका व्यवहार सही है, तो आप कुछ भी पहनो, अच्छा ही लगता है। रणदीप अपकमिंग अमेरिकी एक्शन एडवेंचर कॉमेडी फिल्म मैचबॉक्स में नजर आएंगे। यह फिल्म इसी नाम के मशहूर टॉय ब्रांड पर आधारित है, और इसमें जॉन सीना, जेसिका बील, सैम रिचर्डसन, आर्टुरो कास्त्रो, टेयोना पैरिस, रणदीप, दनाई गुरिरा, और कोरी स्टोल भी नजर आएंगे। यह फिल्म 2026 में रिलीज होने वाली है। रणदीप हुडा के पास 'ऑपरेशन खुकरी' नामक एक युद्ध ड्रामा भी है। रणदीप ने मेजर जनरल राजपाल पुनिया और दामिनी पुनिया की किताब 'ऑपरेशन खुकरी- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ द इंडियन आर्मीज ब्रेवेस्ट पीसकीपिंग मिशन अब्रॉड' के आधिकारिक फिल्म अधिकार हासिल कर लिए हैं। फिल्म 'ऑपरेशन खुकरी' 2000 की वास्तविक घटनाओं को पर्दे पर लाएगी, जब पश्चिम अफ्रीका के सिएरा लियोन में विद्रोही बलों ने 233 भारतीय सैनिकों को बंधक बना लिया था।

ट्रोलिंग पर सख्त कानून चाहती हैं वाणी

वेब सीरीज 'मंडला मर्डर्स' से वाणी कपूर ओटीटी की दुनिया में कदम रख रही हैं। खास बातचीत में उन्होंने अपने किरदार की गहराइयों, मानसिक चुनौतियों, सोशल मीडिया ट्रोलिंग और उससे उबरने के सफर को साझा किया। साथ ही उन्होंने साइबर ट्रोलिंग के खिलाफ सख्त कानून बनाने की भी खुली अपील की।

जब सीरीज ऑफर हुई तो क्या लगा था कि ये रोल करियर के लिए अहम साबित हो सकता है?

सच कहु तो, मैं किसी प्रोजेक्ट को ये सोचकर साइन नहीं करती कि इसके बाद मुझे लाइन लग जाएंगी या बहुत सारे प्रोजेक्ट्स आ जाएंगे। मेरे लिए उस कहानी और किरदार से एक इमोशनल जुड़ाव होना जरूरी होता है। ऐसी कहानियां मुझे आकर्षित करती हैं जिनमें किरदार की भावनाएं थोड़ी उलझी होती हैं। यह भी कुछ ऐसा ही था। इसमें बहुत सारी परतें थीं, बहुत कुछ एक्सप्लोर करने को था, कहानी में भी और मेरे किरदार में भी। ये एक ऐसा फिक्शनल वर्ल्ड था जो बहुत ही खूबसूरती से रचा गया था। इसमें माइथोलॉजी भी है, ड्रामा भी है और बहुत गहराई भी। इसमें इंसानी जज्बातों को समझने की कोशिश की गई है। ये कोई आम क्राइम शो नहीं है, बल्कि हर चीज के पीछे एक वजह है। ऐसे सवाल हैं जो हम अपने मन में सोचते हैं। एक किस्म की मिस्ट्री जिसे सुलझाना भी जरूरी है।

इस तरह के डार्क और इंटेंस कॉन्सेप्ट से जब आप जुड़ती हैं, तो क्या उसका असर निजी जिंदगी पर भी पड़ता है?

बिल्कुल पड़ता है। खासकर क्योंकि मैंने अब तक फिल्में ही की थीं, और ये मेरी पहली सीरीज है। सीरीज का मीडियम अलग होता है- जैसे फिल्म एक स्प्रिंट होती है, वैसे सीरीज एक मैराथन की तरह चलती है। इसमें एक इमोशनल कंसिस्टेंसी बनाए रखना होता है, क्योंकि आठ एपिसोड शूट करने हैं। आपको पूरे समय उसी किरदार जैसा महसूस करना होता है। ये एक तरह का मानसिक और साइकोलॉजिकल टोल भी लेता है, क्योंकि कहानी बहुत इंटेंस है।

फिल्मों और वेब सीरीज के काम करने के तरीके में आपको क्या फर्क लगा?

फिल्मों में शूटिंग जल्दी पूरी हो जाती है। किरदार के साथ आपका रिश्ता कुछ हफ्तों का होता है। आप रोल में उतरते हैं, उसे निभाते हैं और फिर अगली फिल्म की तरफ बढ़ जाते हैं। लेकिन वेब सीरीज एक लंबा सफर होती है। इसमें किरदार के साथ महीनों बिताने होते हैं। उसकी सोच, उसका मूड, उसका हर उतार-चढ़ाव आपको लगातार निभाना पड़ता है। यही चीज इस मीडियम को और भी दिलचस्प बनाती है, क्योंकि आप एक ही किरदार में धीरे-धीरे गहराई से उतरते हैं, बतौर ऐक्टर ये बहुत कुछ सिखा जाता है।

करियर की शुरुआत में आपको भी ट्रोलिंग या निगेटिव कमेंट्स का सामना करना पड़ा? उस वक्त आप कैसे डील करती थीं?

हां, बिलकुल हुआ है। शुरू में इसका असर भी होता था, क्योंकि जो कुछ भी कहा जाता है, वो सीधा आपके दिल को लग जाता है। लेकिन धीरे-धीरे मैंने ये समझा कि हर बात को सीरियस लेना जरूरी नहीं होता। अब मैं पहचान पाती हूं कि कौन सी बात में सुधार की गुंजाइश है और कौन सी बस यूं ही बोली गई है। अगर कोई मेरे काम को लेकर कुछ कहता है, तो मैं उस पर ध्यान देती हूं। लेकिन जब कोई ऐसी बात बोले जो मेरे हाथ में नहीं हैं, तो अब मैं उसे दिल पर नहीं लेती। कभी-कभी लोग बहुत पर्सनल हो जाते हैं और यही सबसे ज्यादा तकलीफ देता है। आजकल सोशल मीडिया हर किसी की जिंदगी का हिस्सा बन गया है। मुझे लगता है कि वहां कुछ नियम होने चाहिए। क्योंकि जो ट्रोलिंग और हेटफुल बातें कही जाती हैं, वो सिर्फ एक्टर्स को नहीं, बल्कि स्कूल-कॉलेज के बच्चों और आम लोगों को भी बहुत परेशान करती हैं। हमें इस बारे में खुलकर बात करनी चाहिए और साथ ही ये भी देखना चाहिए कि कुछ सख्त कानून बनें, ताकि ऐसे लोगों को रोका जा सके जो जानबूझकर दूसरों को दुख पहुंचाते हैं। आगे चलकर हमें सोशल मीडिया को एक जिम्मेदार और सुरक्षित जगह बनाना होगा।

उदयपुर फाइल्स की रिलीज डेट पर लगी मुहर, कोर्ट ने हटाई रोक

काफी विवादों में रही विजय राज की फिल्म उदयपुर फाइल्स अब जल्द रिलीज होगी। कन्हैया लाल हत्याकांड पर बनी इस फिल्म पर दिल्ली हाई कोर्ट ने रोक लगा दी थी। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म में 6 बदलाव करने के आदेश दिए थे और अब इसकी रिलीज पर से रोक हटा ली गई है।

विजय राज की फिल्म उदयपुर फाइल्स रिलीज से पहले काफी विवादो में रही। राजस्थान में टेलर कन्हैया लाल हत्याकांड पर बनी इस फिल्म की रिलीज डेट फाइनली सामने आ गई है। ये फिल्?म 11 जुलाई को ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन तमाम कॉन्ट्रोवर्सी की वजह से इस फिल्म की रिलीज टल गई थी।

8 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी उदयपुर फाइल्स

विजय राज स्टारर इस फिल्म उदयपुर फाइल्स को लेकर सांप्रदायिक सद्भावना को भड़काने और मुस्लिम समुदाय को बदनाम करने की आशंका के बाद इसमें 6 अतिरिक्त बदलाव किए गए। ये अब 8 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म निर्माताओं ने दावा किया कि उन्हें सेंट्रल बोर्ड ऑफ सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) से प्रमाणपत्र मिला है, जिसमें बोर्ड ने 55 सीन काटने का सुझाव दिया है। फिल्म 11 जुलाई को रिलीज होने वाली थी।

सुरवीन चावला ने एक्टिंग करियर में आए उतार-चढ़ाव और डिप्रेशन से गुजरने के अनुभव साझा किए

सुरवीन चावला थ्रिलर सीरीज मंडला मर्डर्स में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री अपनी इस सीरीज को लेकर लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। हाल ही में खास बातचीत में सुरवीन ने मेंटल हेल्थ, एक्टिंग करियर में आए उतार-चढ़ाव और डिप्रेशन से गुजरने के अनुभव साझा किए।

डिप्रेशन से गुजर चुकी हैं सुरवीन बातचीत के दौरान सुरवीन चावला ने बताया कि मैं खुद कुछ साल डिप्रेशन से गुजरी हूं। यह वक्त 2015 के आसपास का था, जब मेरी एक हिंदी फिल्म रिलीज हुई थी। मेरे लिए उस समय उस फिल्म को करना बहुत हिम्मत का काम था। उन्होंने कहा कि जब कलाकार के पास विकल्प नहीं होते, तो वो दौर भीतर से तोड़ सकता है। जब आप अपने काम को गंभीरता से लेते हैं, तो वहां तक पहुंचने में वक्त लगता है। उस समय ने मुझे अंदर से झकझोर दिया था। लेकिन उसी दौर ने मुझे बहुत कुछ सिखाया भी। इंडस्ट्री की अनिश्चितता को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि कभी-कभी हमें किसी सवाल का जवाब नहीं मिलता। आप सोचते हो कि ये चीज तो काम कर रही थी, फिर ये क्यों नहीं चली? ये सवाल हर कलाकार के मन में आता है, क्योंकि ये इंडस्ट्री ही ऐसी है।

मेंटल हेल्थ में बात करना बहुत जरूरी है

मेंटल हेल्थ पर अपनी बात रखते हुए सुरवीन ने कहा कि इसका एक मेडिकल पहलू है, जिस पर मैं कमेंट नहीं करूंगी। लेकिन ये जरूर कहूंगी कि किसी प्रोफेशनल से मदद लेना बहुत जरूरी है। जैसे बुखार होने पर आप डॉक्टर के पास जाते हैं, वैसे ही मेंटल हेल्थ में भी डॉक्टर के पास जाना चाहिए। इसका मतलब ये नहीं कि आप पागल हैं। उन्होंने आगे कहा कि कभी-कभी ये कैमिकल्स का खेल होता है, कभी इमोशन्स का। हर बात जाननी जरूरी नहीं होती। मदद लीजिए। सबसे जरूरी है बात कीजिए। चाहे आपकी दुनिया छोटी हो या बड़ी, लेकिन बात जरूर कीजिए। ये ऐसा ही है जैसे कहना कि मुझे बुखार है, मेरी तबीयत ठीक नहीं है। कम्युनिकेशन बहुत जरूरी है।

टोरंटो फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित होगी हुमा की 'बयान'

हुमा कुरैशी की फिल्म 'बयान' अपनी रिलीज से पहले ही सुर्खियों में छा गई है। अब हुमा कुरैशी की फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में होगा। 'बयान' को डिस्कवरी सेक्शन में चुना गया है। इस कैटेगरी में चुनी गई हुमा कुरैशी की 'बयान' इकलौती भारतीय फिल्म है। टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में 'बयान' का वर्ल्ड प्रीमियर सितंबर के महीने में होगा। हुमा कुरैशी स्टारर 'बयान' एक पुलिस थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म का निर्देशन विकास रंजन मिश्रा ने किया है, जो इससे पहले 'चौरंगा' लिए जाने जाते हैं। हुमा कुरैशी इस फिल्म में एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के रूप में भी जुड़ी हुई हैं। हुमा कुरैशी के अलावा फिल्म में चंद्रचूड़ सिंह, सचिन खेडेकर, परितोष, अविजीत दत्त, विभोर मयंक, संपा मंडल, स्वाति दास, अदिति कंचन सिंह और पेरी छाबड़ा भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म को लेकर निर्देशक विकास रंजन मिश्रा का कहना है कि 'बयान' एक समकालीन भारत की खूबसूरत झलक दिखाती है। जहां सत्ता और जेंडर जटिल और अक्सर अदृश्य तरीकों से एक-दूसरे से टकराते हैं झ

इंडस्ट्री में भेदभाव पर बोलीं नुसरत भरूचा

कई अभिनेत्रियों ने बॉलीवुड इंडस्ट्री में सैलरी और सुविधाओं को लेकर भेदभाव पर बात की है। अब नुसरत भरूचा ने भी इस पर अपनी राय रखी है। उन्होंने हाल ही में कहा है कि बॉलीवुड इंडस्ट्री में महिलाओं के साथ अलग ही व्यवहार होता है। उनका कहना है कि पुरुषों के लिए सेट पर अच्छा वॉशरूम सेट से लेकर अच्छी वैनिटी वैन होती है। हालांकि महिलाओं के लिए सुविधाओं में कमी रहती है। जितने विकल्प हीरो को मिलते हैं हमें नहीं मिलते नुसरत ने हाल ही में नयनदीप रक्षित के साथ बातचीत में बताया है जैसे ही बंदा हिट देता, वह इनसाइडर हो या आउटसाइडर इससे फर्क नहीं पड़ता है। उसे तुरंत पांच फिल्में मिल जाएंगी। हालांकि महिलाओं कों संघर्ष करते रहना पड़ता है। मैं प्यार का पंचनामा (2011) से यह बात बोलती आ रही हूं। बस, आपको मौके की जरूरत होती है। जितने ऑप्शंस हीरो को मिल जाते हैं। उतने हमें नहीं मिलते। इसी बातचीत में नुसरत ने आगे कहा एक वक्त था जब मैं पूछती थी कि क्या पांच मिनट के लिए हीरो की वैनिटी इस्तेमाल कर सकती हूं? वह यहां नहीं है क्या मैं वाशरुम इस्तेमाल कर लू? हालांकि मैं उस वक्त शिकायत नहीं करती थी। मैं खुद से कहती थी कि मैं खुद को ऐसी जगह लाउंगी जहां चीजें अपने आप मिलें। नुसरत भरूचा ने बताया कि एक बार उन्हें फिल्म में छोटा रोल मिला था। उनके साथी अभिनेता को बिजनेस क्लास की टिकट मिली लेकिन उन्हें इकोनॉमी क्लास की। उनके साथियों ने उन्हें बिजनेस क्लास में बैठने के लिए कहा लेकिन वह नहीं आईं। आज वह बिजनेस क्लास में ही सफर करती हैं।

नुसरत भरूचा का काम

हाल ही में नुसरत भरूचा फिल्म छोटी 2 में नजर आई थीं। फिल्म में उनके साथ सोहा अली खान भी थीं। इसके निर्देशक विशाल फुरिया थे। इसके निर्माता भूषण कुमार और कृष्ण कुमार थे। फिल्म को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज किया गया था। नुसरत भरूचा एलएसडी और ड्रीम गर्ल जैसी फिल्मों मे नजर आ चुकी हैं।

तुषार ने शुरू किया फिल्म मस्ती 4 का शूटिंग शेड्यूल

बालीवुड की चर्चित कॉमेडी फेंचाइज मस्ती एक बार फिर दर्शकों को हंसाने आ रही है। साल 2004 में शुरू हुई इस सीरीज की चौथी किस्त मस्ती 4 की शूटिंग शुरू हो चुकी है। अब इसमें एक नया चेहरा जुड़ गया है। है। इस फिल्म में तुषार कपूर की भी एंट्री हो गई है। फिल्म में रितेश देशमुख, आफताब शिवदासानी और विवेक ओबेरॉय की मूल तिकड़ी एक बार फिर साथ नजर आएगी। तुषार ने मीडिया से खास बातचीत में पुष्टि की कि उन्होंने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। उन्होंने कहा मैंने पहले भी तीनों कलाकारों के साथ अलग-अलग फिल्मों में काम किया है, इसलिए केमिस्ट्री को लेकर कोई चिंता नहीं थी। टीम ने बेहद गर्मजोशी से मेरा स्वागत किया है और मुझे यकीन है कि हमारी ऑफ-स्क्रीन दोस्ती ऑन-स्क्रीन मस्ती में जरूर नजर आएगी।

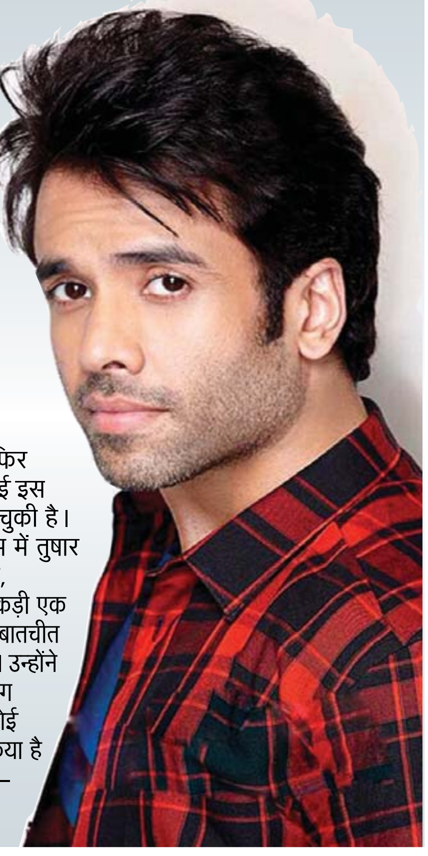

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः जितेन्द्र चौधरी, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in